मसीह अपने स्वयं के वचन में प्रकट हुआ

आइए हम अपने सिरों को झुकाए।

प्रभु यीशु, बड़े झुण्ड का गडरियां, प्रभु, हम तेरे प्रेम के जिसको, तूने हमारे ह्रदय पर उडेला है उसके हम इतने कर्जदार है, जिसको कि हम कभी भी नहीं चुका सकेंगे। हम आपकी उपस्थिति में जैसे की सिर झुकाए खड़े हैं अपने आप को अयोग्य अनुभव करते हैं। हम आप से मांगते हैं कि आप हमारी सारी गलतियों और पापों को शुद्ध कर दें। हम आप से प्रार्थना करते हैं कि आप आज हमारे शरीरों में शक्ति प्रदान करेगे। बहुत से बीमार और दु:खी है, जैसा कि हमें, इन रूमालो द्वारा दिखाई पड़ता है और बहुत से निवेदन फोन द्वारा आ रहे है।

2 और हम विश्वास करते हैं कि हम संसार के इतिहास का अंत कर रहे है, और जल्द ही समय अनंतता में विलीन हो जाएगा, और हम उस समय के लिए तैयार होना चाहते है। और इसलिए हम आज प्रातः यहां उस तैयारी के लिए जमा हुए है, जो उस समय के लिए है। और मुझे बताया गया है, प्रांत के एक छोर से दूसरे छोर इस प्रातः टेलीफोन द्वारा, संदेश की व्यवस्था है। जहां कहीं भी हमारी आवाजे आ रही है, होने दे कि वह छोटा भी समूह आशीषित होवे। उनके बीच में जो बीमार है उन्हें चंगा करें, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके प्राणों को हर बुराई से शुद्ध करेंगे। और आज इस प्रात: टेबनेकल में हमारी सहायता करें, ताकि हम भी इस विशेषधिकार का आनंद ले सकें।

3 और हम निवेदन करते हैं कि आज आप अपने लिखित वचन द्वारा हमसे बातें करेंगे, जैसा कि हम संपूर्ण राष्ट्र में जमा हुए हैं होने दे कि आत्मा हमें उन्हीं चीजों को प्रगट करें, जिनकी हमें आवश्यकता है, हम अनुभव करते हैं कि हम छोटे लोग है, परंतु छुड़ाएं हुओ के बीच बैठे हैं, क्योंकि हम यीशु मसीह का विश्वास कर चुके है। यह चीजें हमें प्रदान करें, प्रभु।

4 और जब हम इस सभा को समाप्त करके और पूरे प्रांत में अपने भिन्न–भिन्न घरों को जाते है, होने दे कि हम भी अमाऊस वालो की तरह सके,

"क्या जब वह मार्ग में हमसे बातें करता था तो क्या हमारे ह्रदयो में उत्तेजना ना हुई? "

5 अब, पिता, मैं जानता हूं कि जो कुछ भी मैं कहूंगा निश्चय ही, वह इन—इन मसीहो के लिए जो राष्ट्रों में फैले हुए संचार व्यवस्था से सुन रहे है अपर्याप्त होगा, वह—वह काफी ना होगा। यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है कि जिसको मैं कह कर किसी की कोई भलाई कर सकूं, क्योंकि हम सब एक ही श्रेणी के है। हम मरण हार मनुष्य है। परंतु महान पवित्र आत्मा बोले; ऐसा हो कि वही वचन को लेकर हम पर स्वयं प्रगट करें। हम अब इसी की प्रतीक्षा कर रहे है, यीशु के नाम में। आमीन।

आप लोग बैठ जाए।

6 एक प्रकार से मैं... अपने में अचंभित हूं। मैंने अपनी पत्नी को बताया, यदि वह टयूसान में सुन सकती है, जब मैं वापस आया तो मैंने सोचा भी ना था कि मैं कोई सभा लूंगा; मैं तो अपने कपड़े भी नहीं लाया। और मैंने अपनी पुत्र वधू से कहा था, उसने मेरा कोट प्रेस कर दिया, मैंने कहा, "मुझे पुलपिट पर खड़ा होना है... उन्हें नहीं मालूम कि पेन्ट अलग तरह की है और कोट अलग प्रकार का है।" यह तो वह है जो मैं घर में पहनता हूं। परंतु मेडा ने मेरी कमीजे प्रेस करी थी और चीज तैयार रखती है... मैं कभी चिंता; नहीं करता हूं।

7 अब, हमारे पास एक निवेदन है, कि एक बहुत ही प्यारा भाई... और मैं सोचता हूं कि—कि वह प्रेसकोट में है, मैं विश्वास करता हूं कि वह इस संचार, व्यवस्था से प्रेसकोट एरीजोना में जुड़ा है। बहन मर्सीयर के पिता भाई कोगिन्स जब इस सभा के लिए आ रहे थे, मैं समझता हूं, तो दिल के दौरे के कारण अस्पताल में ले जाना पड़ा। और, भाई, जूनियर जैक्सन भी, मैं सोचता हूं वह अगले रेडियो, या अगले टेलीफोन संचार जो कलार्क विले, या न्यू अलबनी में है, उनके पिता भी अस्पताल में है, मैं समझता हूं, उनका एक गंभीर जिगर के कैंसर का ऑपरेशन हुआ है। इसलिए हम उन्हें अवश्य अपनी प्रार्थनाओ में याद रखें। और अब यहां दूसरे भी है, परंतु हम अधिक समय नहीं लेंगे। परमेश्वर उनके विषय में सब कुछ जानता है, इसलिए अब आइए हम उनके लिए प्रार्थना करें।

8 प्रिय परमेश्वर, जैसे कि वह प्यारा बुजुर्ग, भाई कोगिन्स, झुर्रीदार हाथो वाला व्यक्ति क्षेत्र का अनुभवी योद्धा, ... आज प्रातः अस्पताल में दिल के

दौरे से पीड़ित है। परमेश्वर, वह बूढा हृदय बहुत से कष्टों से गुजरा है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना, करता हूं कि आप उसकी सहायता करें। इसे प्रदान करे। वह हम सब... की तरह जीवन को प्रेम करता है, और वह जीवित रहना चाहता है। इसे ग्रहण करें, प्रभु परमेश्वर। इसे ग्रहण करें हम सारे राष्ट्र में, यीशु के नाम में उसके लिए प्रार्थना करते है, कि आप उसे चंगा करेंगे और उसे बाहर निकाल लाएंगे। हम विश्वास करते है आप करेंगे; और वह सीधे सभा में आयेगा।

9 हम भाई जैक्सन के प्रिय पिता के लिए, जो कि अब मृत्यु के पास है प्रार्थना करते हैं, और जो जूनियर जैसे एक अच्छे लड़के को संसार में लाए। प्रिय परमेश्वर, मैं—मैं—मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप उन्हें चंगा करेंगे। मैं जानता हूं कि यह असंभव प्रतीत होता है। दवा वाले, डॉक्टर, वे—वे नहीं जानते कि ऐसी स्थिति में क्या करें। परंतु हम भाई हाल को भी याद करते है, जबकि, लूसविला के सबसे बढ़िया डॉक्टर ने, कह दिया था कि, "इनके पास जीवन के कुछ ही घंटे शेष है, " जिनके जिगर में कैंसर था। वह आज भी जीवित है, यह पच्चीस वर्ष पहले की बात है, यह आपके अनुग्रह के कारण है। इसलिए मैं प्रार्थना करता हूं कि आप भाई जैकसन को भी चंगा करेंगे, प्रभु, आपकी दया और अनुग्रह उनके साथ हो।

10 और यह सब रूमालो और कपड़ों का बड़ा ढेर जो यहां प्रार्थना निवेदन के लिए यहां रखा है; पिता, आप इन सब को जानते है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन सब को चंगाई प्रदान करेंगे। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

11 आज प्रातः, चलने से पहले, मैंने सोचा भी नहीं था कि पिछले रविवार जब मैं, सबसे पहले, यहां पर आ रहा था। और उसके बाद, हमने फिर घोषणा की, तो मैं आया। और भाई नेविल ने मुझे बोलने को कहा! और तब हमने आज की घोषणा की, और यह बाहर लोगों को सूचित नहीं कर पाए। और अब हमारे पास यह टेलीफोन, संचार व्यवस्था है, जो कि बहुत ही बढ़िया है। लोग अपने घरों में और अपने गिर्जो में इकट्ठे होकर... या जैसे भी, इस आराधना, सभा को सुन सकते है। मैं इसकी सराहना करता हूं।

12 और अब मैं यहां पर पिछले सप्ताह के बहुत से निवेदन रखें देख रहा हूं, जिसके लिए पिछले रविवार मैंने संदेश में कहा था। मुझे लगता है मैं भूल गया कि मैंने अभी संदेश का क्या नाम दिया है। लेकिन मैंने कुछ आपके कर्ज चुकाने के विषय में कहा था। और आप जानते हैं, इससे कोई मतलब

नहीं कि आप क्या कहते है। ये बहुतो द्वारा... गलत समझा जाता है नहीं इस कारण नहीं कि वे गलत समझना चाहते है, परंतु आप ही कुछ गलत समझे गए।

और अब किसी ने कहा, "क्या हमें कार खरीदनी चाहिए? " या, "मुझे क्या करना चाहिए... "

यीशु मसीह ने यह नहीं बोला था, बाईबल में ऐसा है कि, "किसी व्यक्ति से कुछ उधार ना लो।" जिस कर्ज को आप चुका सकते है। चुका दे। इसका यह नहीं... कि किसी व्यक्ति के हम किसी भी प्रकार के देनदार ना हो। इसका यह अर्थ यह नहीं... हमें, अपना किराया देना होता है, टेलीफोन बिल देना होता है... और बहुत कुछ देना होता है। हमें—हमें उनका देना होता है, और हम चुकाते है। परंतु, जो पुराना लंबा उधार जो हम दे सकते हैं उसे चुका दे। समझे? आप किसी भी चीज का अपने ऊपर इस प्रकार बोझ लेकर ना जाए।

13 मुझे याद है जब मैं लड़का था, तो एक बीमार हो गया था। जब मैं अस्पताल से बाहर निकला तो मुझ पर दो हज़ार डॉलर का कर्जा था। श्री स्वनीगर, जिनकी दवाई कि दुकान हुआ करती थी, उनके दवाई के मुझे तीन चार सौ डॉलर, बिल चुकाने थे। वह तो मुझे जानते तक ना थे। और वह व्यक्ति... मैं उसके पास गया। मैं उसे जानता ना था। और उसने जैसा भी हो दवाईया भेजता रहा था, उसने दवाई देने से कभी मना नहीं किया। और मैंने कहा, "मैं आपका देनदार हूं।" और मैंने कहा... मैं समझता हूं, स्वानीगर... नहीं वह मेसन थे कोर्ट एवेन्यू और स्प्रिंग के।

और मैंने कहा, "मैं आपका देनदार हूं। और मैं—मैं अब भी बहुत दुर्बल हूं, परंतु मैं काम पर जाने की कोशिश में हूं। अब, यदि मैं आपका कर्ज ना चूका सका... " मैं तभी मसीही हुआ था। मैंने कहा, "श्री मेसन, मेरा पहला कर्तव्य, परमेश्वर की ओर है, कि मैं अपनी दहेकि चुकाऊ मैं उसे पहले, अपना दसमांश देना चाहता हूं।" और मैंने कहा, "तब मेरा दूसरा कर्तव्य है कि मैं अपने कर्जे चुकाऊं।" मैंने कहा, "मेरे पिता बीमार है, और वह... और हम... परिवार में दस बच्चे हैं।" परंतु मैंने कहा, "मैं दूंगा... यदि मैं आपको हर वेतन पर पच्चीस सेन्ट से अधिक ना चुका सका; मैं नहीं चूका सका तो मैं आकर, इस बारे में आपको बता दूंगा। मैं बता दूंगा कि 'मैं—मैं—मैं इस बार में पच्चीस सेन्ट नहीं कर पाऊंगा।'" अब, परमेश्वर की सहायता

से मैंने हर पाई चुकता कर दी। समझे? मेरा मतलब यह है, समझे? किसी को कुछ कहने का अवसर ना दे...

14 ओह, कोई मसीही इस कलीसिया से है जिसने एक बार अपने कार में काम करवाया, और आ गया... उस व्यक्ति ने कहा, "मैं दे दूंगा। मुझे शनिवार को वेतन मिलती है," या इसी तरह कुछ बताया। और उसने उसके पैसे कभी नहीं चुकाए। और सप्ताह दर सप्ताह बीतते गए, उसने कर्ज नहीं चुकाया, ना ही कुछ कहा। और—और उस व्यक्ति ने मेरे पास आकर, कहा... देखिये इससे चर्च की छवि बिगड़ती है। इससे मसीह की छवि बिगड़ती है।

आप नहीं चुका सकते है, तो उससे जाकर, कहिये, "मैं आपका देनदार हूं, और मैं आपको सब कुछ चुका दूंगा। मैं एक मसीही हूं, परंतु मैं—मैं आपको मैं जरा... अभी नहीं दे पा रहा हूं मैं अभी... मैं आपका ऋणी हूं।" और, याद रखिए, कि यह परमेश्वर की पुस्तकों में भी है, आप जानते है, कि आप जो करते है। ताकि इससे... मैं यह, अपने लिए और सब हम मिल कर, यत्न कर रहे है, क्योंकि हम जानते हैं कि हम किसी चीज के पास पहुंच रहे है, हम किसी चीज के बहुत ही पास पहुंच रहे हैं जो कि होने वाली है। इसलिए हम इस बात के लिए तैयार होना चाहते है। जबकि प्रभु का आगमन इतना निकट है, अब हम उस महान समय के लिए तैयार रहना चाहते है।

15 अब हम तैयार होना चाहेगे और एक छोटे विषय पर बोलूंगा जो कि आज प्रातः, मैंने प्रभु की सहायता से चुना है। और हम जितना संक्षेप में हो सकेगा बोलेगे, क्योंकि लोग संचार व्यवस्था से सुन रहे हैं। मैं आशा करता हूं कि आप... सब पूरे प्रांत के बाहर आप सबके यहां ऐसे ही सुहावनी सुबह है जैसी यहां इंडियाना में है। जब से यहां वर्षा हुई है यहां पर अच्छा, ठंडा, बढ़िया मौसम है। और यह बहुत अच्छा है।

16 अब मैं इब्रानियों की पुस्तक में से पढ़ना चाहता हूं, पहला अध्याय; और यूहन्ना की पुस्तक में, से पहला अध्याय। इब्रानियों 1:1 से 3 और यूहन्ना 1:1, विषय के लिए। आज प्रातः मेरा विषय पवित्र शास्त्र का अध्ययन है। आइए हम इब्रानियों 1:1 पढ़े।

पूर्व युग में, परमेश्वर ने बाप दादो से... थोड़ा–थोड़ा करके और भांति–भांति से भविष्यवक्ताओं के द्वारा बातें करके,

इन दिनों के अंत में हम से पुत्र के द्वारा बातें कि जिसे *उसने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उसने सारी सृष्टि रची है;*

वह उसकी महिमा का, प्रकाश और... उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता है, वह पापो को धोकर ऊंचे स्थानो पर महामहिमन के दाहिने जा बैठा;

कितना बढ़िया पाठ है! अब संत यहुन्ना 1:1।

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

17 अब, आज की प्रातः मेरा विषय है: *मसीह अपने स्वयं के वचन में प्रकट हुआ।* अब, मैं इस परिणाम पर कैसे पहुंचा कि इस पर बात करूं, क्योंकि यह... यह जानते हुए कि जो हम कहते हैं हमें इसलिए नहीं कहना चाहिए क्योंकि हम एक साथ इकट्ठे हुए हैं और किसी भी बात पर वैसे ही बोल दे, परंतु कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे लोगों को ही रहने में सहायता मिले, क्योंकि हम लोग भयंकर, विश्वासघाती समय से निकल रहे है। हम वैसे ही उनमें से पार हो रहे है। और कभी–कभी मुझे लगता है जैसे मेरे साथ है, आपके साथ भी है, और यह काफी कुछ ऐसा लगता है, यह बहुत डरावना है।

18 अभी मैं एक युवा सेवक और उसकी पत्नी से, कुछ क्षण पहले कमरे में बात कर रहा था। और दोनों ही परेशान थे जैसा कि संसार, और बाकी लोग इस धरती पर परेशान है। मैंने कहा, "याद रखिए, शैतान परेशानी लेकर आपके पास आ रहा है।" इसकी परवाह नहीं करते हुए कि आप कौन है, परमेश्वर... उसके पास अधिकार है कि वह परेशान करें। और वह झटका उसने आपको मारा है; कि अंधे हो जाओ, या जोड़ों का दर्द लेकर कुर्सी पर बैठे रहो, या परेशान रहो? समझे? और वह आपको कहीं भी परेशान कर सकता है। उसके पास इसकी खुली छूट है। अब, यही जगह है कि आप हर समय अपने को आड़ में रखें। और इस परेशान युग को देखे जिसमें हम रह रहे हैं!

19 पिछले सप्ताह के टेपो पर, मैं सोचता हूं, आपको बहुत ही भयंकर बातें प्रगट होगी जिनको कि हम इस सप्ताह बोलने जा रहे है उन दिनों में से एक दिन जब भी हमें अधिक बड़ा स्थान मिलेगा, उन अंतिम पीड़ाओ को

जो धरती पर उड़ेली जाएगी, वह कटोरे उन कटोरो का उड़ेला जाना, और सात दर्जन, और वे भयानक दृष्य जो पृथ्वी पर आने वाले है। आज मनुष्य, और लोग पूरा संसार; दयनीय स्थिति में है!

20 आप पिछले माह की *रीडर डाईजेस्ट* में पढ़िए आप उसमें बिली ग्राहम के ऊपर एक लेख देखेंगे; एक महान प्रचारक वे इतना थक गए है। कि वह और कोई सभा नहीं कर पायेगे, और वह—वह मायो अस्पताल अपने को दिखाने गए। उनके साथ शारीरिक कोई गड़बड़ी नहीं है, केवल यह कि वे अधिक कार्य नहीं करते। और उन्होंने उन्हें दौड़ने के लिए कहा; शारीरिक व्यायाम करें। वह हर दिन एक मील दौड़ते हैं।

और इस लेख में आगे लिखा है कि विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है, कि आज युवा, लड़के और लड़कियां, "अपने बीस वर्ष की आयु में ही अधेड़ अवस्था में आ जाते है।" और अपनी पच्चीस वर्ष की आयू में, बहुत बार बहुत सी लड़कियो का ऋतु स्त्राव बंद हो जाता है, पच्चीस वर्ष की आयु में।

मुझे नहीं मालूम कि आपको मालूम है या नहीं कुछ ही रातों पूर्व जब पवित्र आत्मा सभा में बोल रहा था, तो एक छोटी लड़की वहां बैठी थी, उसके साथ यही समस्या थी, जब उसे बुलाया गया। मैंने उसकी ओर दूसरी बार देखा, फिर देखा, और मैंने देखा कि क्या मामला है। मैंने सोचा, "ऐसा नहीं हो सकता यह तो बहुत ही युवा है।" परंतु वह तो ऋतु स्राव ही बंद था लगभग बीस, पच्चीस की आयु या ऐसी ही कुछ थी। समझे?

21 मेरी मां और आपकी मां कि यह अवस्था पैतालीस से पच्चास वर्ष के बीच में होती थी। मेरी पत्नी इस आयू अवस्था में पैतीस वर्ष में पहुंची। अब यह बीस वर्ष तक नीचे आ गई। सारी मानव जाति विकृत हो गई है। यदि, हमारी शारीरिक अवस्था इस प्रकार से प्रकार से विकृत हो रही है इस मिलावटी भोजन, तनाव ने, इसे खराब कर दिया है, तो क्या हमारे मस्तिष्क की कोशिकाये विकृत नहीं हो रही है? तब हम स्त्रियो को नग्न हालत में, सड़को पर देख सकते है। हम देख सकते हैं कि वे किस तरह से—गलियों में एक सौ पच्चीस मील घंटे की गति से कारे चलती है, इत्यादि–इत्यादि। इस तरह से सारा राष्ट्र सारा संसार केवल, यही राष्ट्र नहीं, परंतु हर जगह लोग मानसिकता से गिर गए है।

22 और यदि, प्रभु ने चाहा, तो जब हम उन सात कटोरों को देखेंगे जो यह भयानक चीजें दर्शाते है। कुछ समय बाद मनुष्य इतना उन्मादी हो जाएगा,

तब तक वह यह कल्पना करने लगेगा कि वह चींटी को पहाड़ के आकार में देखने लगेगा। टिड्डीयां इस पृथ्वी पर आएगी, जिनके बाल, लंबे–लंबे होंगे, वह उन स्त्रियो को जिनके बाल कटे हुए है बहुत सताएगी; स्त्रियो जैसे बाल नीचे लटकते हुए; और लम्बे–लम्बे, दांत सिंह की तरह; उनकी पूंछ में बिच्छू, जैसे डंक होंगे, और—और इस प्रकार वह पृथ्वी के मनुष्य को सताएंगे। परंतु तब कुछ भी करने के लिए बहुत देर हो चुकी होगी। आप अब भी सुधर जाइए। देखा? पीड़ाये!

23 पिछली रविवार जब हम इंद्रियों के चक्र में चल रहे थे, कि कैसे पांच इंद्रियां बाहर भाग में है। यह शरीर के लिए, पांच इंद्रियों वाले द्वार है। शरीर में प्रवेश करने का यही मार्ग है, इन पांच इंद्रियों द्वारा: देखना, चखना, स्पर्श, सुघना और सुनना। उस—उस शरीर में संबंध स्थापित करने का कोई और तरीका नहीं है।

24 मनुष्य के अंदर एक व्यक्ति है जो आत्मा कहलाता है, और उसकी भी 5 इंद्रियां होती है: विचार, सोचना... और विचार और प्रेम, और विवेक और इस तरह से और भी। ठीक है।

25 अब, आप अपने शरीर से नहीं सोच सकते। आप अपने मस्तिष्क में सोचते है। और यही बहुत से, मसीही, रुक जाते है। और वे खेत के, एक दाने की तरह होते हैं खेत की एक झाड़ी की तरह होते है, वे भी पवित्र आत्मा से अभिषिक्त हो सकते हैं जैसे एक सच्चा विश्वासी अभिषिक्त होता है।

परंतु इसके और अंदर एक, और क्षेत्र होता है, तीसरा क्षेत्र, या राज्य प्राण है; और यह परमेश्वर द्वारा पहले से चुना हुआ होता है। यही वह स्थान है जहां पर जीवन का सच्चा बीजांकुर होता है, यह यही होता है।

26 अब याद रखिये, यदि मैं एक बिच्छू बीज लेकर और उसे बीच में से काट कर, उसके बीच में गेहू का—का दाना रख कर दबा दू तो उस बिच्छू बीज में से गेहू ही निकल कर आयेगा; इससे कुछ मतलब नहीं है कि, बाहर क्या है, भावनाये क्या है।

27 आज, लोग पवित्र आत्मा के प्रमाणों के विषय, इत्यादि में भ्रमित है। शैतान किसी भी प्रकार के वरदान की नकल कर सकता है जो परमेश्वर कि ओर से होते है, परंतु वह वचन को, वचन, वचन करके नहीं ला सकता। वह अदन वाटिका में यही पर असफल हो गया था। वह यहीं पर सदैव असफल होता है। उस टेप, झूठे अभिषिक्त लोग या "अभिषिक्त में यही

है," वे आत्मा द्वारा अभिषिक्त हो सकते है; अन्य भाषाये बोल सकते है, नाच सकते है, चिल्ला सकते है, सुसमाचार प्रचार कर सकते है, और फिर भी शैतान है।

यह अंदर की ओर है! अब याद रखिए यीशु ने कहा, "जितनो को पिता ने मुझे दिया हैं वे ही मेरे पास आयेगे। जब तक पहले पिता ही ना खींच ले कोई मेरे पास नहीं आ सकता।"

हमने यह दिखाने के लिए, इस पाठ से लिया है... आप अपने पूर्व पूर्वज, पूर्वज पिता में थे, इस तरह से और पीछे जाए. शारीरिक रीती में बोल रहा हूं। तब, आप आज भौतिक, प्रकृति में है। कभी–कभी परिवार में लाल बालों वाला, बच्चा उत्पन्न होता है। इससे पिता को अचंभा होता है, क्योंकि उसके परिवार में से कोई भी, लाल सिर वाले व्यक्ति, या मां की तरह से कोई नहीं है। परंतु यदि आप अपने वंशावली में पीछे जाएंगे तो पता लगेगा, कि कोई व्यक्ति आपके पूर्वजों में लाल सिर वाला था। वह बीज आपके वंश में चलता आया, और आप उसी वंश से है।

जिस प्रकार इब्रानी सातवें अध्याय में कहा, कि, "मलकिसिदेक को, अब्राहम ने दशमांश भेट किया जब वह राजाओं को मारकर लौट आता था। और लेवी, जो दशमांश, लेता है," उसने दशंमाश चुकाया क्योंकि उस समय... वह अपने "पूर्वज अब्राहम के अंदर था," जब मलिकिस्देक उससे मिला था।

28 अब इसी तरह यह है। यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं और यदि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं, या परमेश्वर की बेटी हूं, तो हम परमेश्वर में आरंभ से थे। और जब यीशु पूर्ण वचन बना तो, हम उसके अंदर, अंकुर के रूप में थे। जब वह क्रूस पर चढ़ा तो, हम उसकी देह में क्रूस पर चढ़े। जब वह मृतकों में से जी उठा तो, हम उसके साथ जीवित हो गए। और अब, जब से हमने इसे पहचान लिया है तो, "अब हम मसीह यीशु के साथ, उन स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए है।" समझे? क्योंकि... यदि हम, परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां है, हम परमेश्वर की संतान है, तो हम परमेश्वर के गुण है। तब हमें... अनंत जीवन मिला था। केवल परमेश्वर ही अनन्त जीवन है। हम उसके साथ आरंभ से ही थे। और जब यीशु पूर्ण वचन बन गया, तब हम उसका हिस्सा बन गए। आमीन! तो आप वहां थे। जब वह वहां है तब वहां ना कोई

शैतान, ना कोई सामर्थ, ना कोई चीज हिला सकती है। वह हमारे प्राणों का लंगर है।

29 आप *यहां* बाहर आत्मा में अभिषिक्त हो सकते है, और बहुत से काम करने, कि इच्छा कर सकते है। परंतु जब यह उस वचन के सर्वोच्च गढ़ पर आता है तो, आप वहां से कभी नहीं हट सकते। तब वह ढूंढता और सच्चाई से वचन को पकड़ लेगा, जितनी भी जोर से पकड़ सकता है। इसके बाहर चाहे जो भी हो, आप चाहे जो भी करें, आप फिर भी नष्ट है।

30 लौदीकिया कलीसिया युग, "अन्धा, नंगा, दयनीय है; और उसे नहीं मालूम।" देखिए, वह यथा स्थान पर नहीं है... यह वह अभिषिक्त है, जो कि सच्ची आत्मा से अभिषिक्त है। देखिए, पवित्र आत्मा व्यक्ति, की आत्मा पर आ सकता है। परंतु उसका प्राण उसका अंकुर है; और वह अंकुर वचन है। समझे? और... मैं चिंता नहीं करता कि आप कितना प्रचार कर सकते हैं, आप कितनी अच्छी तरह *कुछ* कर सकते है, और आप कितना प्रेम करते हैं; यह तो आत्मा का एक प्रवेश मार्ग है। आप अपने शरीर के द्वारा प्रेम नहीं कर सकते; आप अपनी आत्मा के द्वारा प्रेम करते है। यह तो एक इंद्रिय मार्ग है। और आप प्रेम कर सकते है, आप परमेश्वर को भी प्रेम कर सकते है, और उस पर भी आप सही नहीं हो सकते। आप प्रेत आत्माये निकाल सकते है, और प्रचार कर सकते हैं और उन कामों को कर सकते है; और फिर भी सही नहीं है। यीशु ने ऐसा ही कहा है, उस दिन बहुतेरे आएंगे। यह वचन ने निश्चित कर दिया है!

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

और वचन देहधारी हो गया और हमारे बीच डेरा किया,...

31 ध्यान दें, अब मैं बाईबल के इस विषय पर बोलने जा रहा हूं, कि, *मसीह अपने ही वचन में प्रगट हुआ।* मैं अपने कमरे में इस सारांश पर पहुंचा, कोई प्रिय व्यक्ति हो सकता है।

जो आज प्रातः, वह यहां बैठा हुआ हो... मुझे एक चित्र मिला जो मेरे अध्ययन के कमरे में लटका हुआ है, वह चित्र हाफमेन वाला *यीशु का चित्र* है, जो पहाड़ी उपदेश के लेख में लिखा है। जब आप उस स्थान पर आते हैं जहां पर बाल होते है, वहां पर उसने पेन को अधिक दबाया है। इस तरह से उसने शब्दों को तैयार किया है, कि; उस पहाड़ी, उपदेश के लेख में;

यीशु दिखाई पड़ता है। आप में से कोई, वह जो कोई भी था, इसके लिए, मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

कोई और एक चित्र लाया और मेरे अध्यन कक्ष में रख गया, जिसने एलिय्याह, आग के रथ में ऊपर जा रहा है। मैं एसी चीजों कि सराहना करता हूं। बहुत बार, मैं बड़ी भीड़ में, इन बातों को बोलने का अवसर नहीं पाता हूं, परंतु भाई, बहनों मैं यह देखता हूं। मैं—मैं इसे जानता हूं, परमेश्वर यह जानता है।

32 *मसीह अपने वचन में प्रगट हुआ:* अब मैं इस विषय पर बोलने जा रहा हूं। किस, प्रकार से पहाड़ी, उपदेश में मसीह का चित्र, उसमें से दिख पड़ता है। यहीं से मैंने इस विषय पर सोचा। अब, मसीह और वचन एक ही है। देखा?

33 वे कहते हैं, "बाईबल कैसी थी... ? " लोग कहते है। अधिक समय नहीं बीता मैं एक व्यक्ति के साथ घुड़सवारी कर रहा था। उसने कहा, "इस पर सोचिए।हम पृथ्वी पर है, जैसे भी हैं, और केवल जानते या कह सकते हैं कि हमारा उद्धार यहूदियों की कल्पित कथा जो बाईबल कहलाती है हो गया है।"

34 मैंने कहा, "श्रीमान, मैं नहीं जानता कि आप यह कैसे कह रहे हैं, परंतु मैं यह विश्वास नहीं करता कि यह यहूदियों कि कल्पित कथा है।" मैंने कहा।

उसने कहा, "भाई जब आप प्रार्थना करते हो आप किस से क्या प्रार्थना करते हैं? मैंने *वगैरा–वगैरा* मांगा और कुछ चीजें मांगी मुझे नहीं मिली।"

35 मैंने कहा, "आपने गलत प्रार्थना की। हमें कभी परमेश्वर के विचार बदलने के लिए प्रार्थना नहीं करनी चाहिए; हमें अपने विचार बदलने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। परमेश्वर के विचारों में बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं होती समझे? देखिए यह ठीक है।" मैंने कहा, "आपने जो प्रार्थना की वह नहीं... "

मैं एक युवा कैथोलिक लड़के को जानता हूं, उसके पास प्रार्थना करने के लिए एक पुस्तक थी, और वह अपनी मां के जीवित रहने के लिए प्रार्थना करता था। और वह मर गई, और उसने प्रार्थना पुस्तिका आग में फेंक दी। देखिए, मैं प्रार्थना पुस्तक नहीं चाहता; परंतु देखिए जैसा भी हो आप गलत

मनोस्थिति में है। आप परमेश्वर को बताने का यत्न कर रहे है कि क्या करना है।

प्रार्थना होनी चाहिए, "प्रभु मुझे बदल दे कि मैं आपके वचन के अनुसार हो जाऊं।" वह "बदलाव" नहीं, कि मैं आपके विचार बदल दू। "आप मेरे विचार बदल दे।" समझे? "आप मेरे विचारों को अपनी इच्छा अनुसार बदल दे। और आपकी इच्छा यहां इस पुस्तक में लिखी हुई है। और, प्रभु, मुझे आगे तब तक ना—ना बढ़ने दे जब तक आप मेरे—मेरे विचारों को अपने विचारों के अनुसार ना कर दें। और जब आप मेरे विचारों को अपने विचारोंनुसार कर देंगे, तब मैं आपके लिखे हुए हर वचन का विश्वास करूंगा। और आपने इसमें कहां है कि आप हर बात में मिलकर अपने प्रेम करने वालों के लिए भलाई उत्पन्न करते हैं। और प्रभु मैं आपसे प्रेम करता हूं। यह सब मिलकर मेरे लिए भलाई उत्पन्न करती है।"

36 इस सप्ताह मैं किसी गांव में अपने मित्रों के यहां रुका हुआ था। कल जब हम मेज पर खा रहे थे, तो मैंने उनमें से किसी से पूछा। हम जब एक साथ होते है... तो थोड़ा सा बाईबल अध्ययन करते हैं। हम प्रेम के विषय में बात कर रहे थे।

और वहां पर किसी व्यक्ति ने मुझसे कहा, उसने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि आप मसीह विरोधी है।"

37 मैंने कहा, "यदि यह बात मेरे प्रभु को प्रसन्न करती है तो मैं यही करना चाहता हूं। मैं वही होना चाहता हूं जैसा वह मुझे चाहता है। मैं उसे प्रेम करता हूं। और यदि वह मुझे नरक में डाल दे मैं तब भी उसे प्रेम करूंगा, यदि मैं इसी आत्मा के साथ जो अब मेरे पास है जाऊं।" उसने मुझे अजीब प्रकार से देखा।

मैंने उन चार पांच नवयुवकों को उनकी युवा पत्नियों के साथ, देखा अच्छी स्त्रियां थी। मैं जानता था कि यह युवक अपनी पत्नियों को कितना प्रेम करते हैं इसलिए मैंने उन से कहा, मैंने कहा, "परखने का यह तरीका है। यदि आपके विवाह के पहले आपकी पत्नी... आप जाकर इस विवाहित जीवन के लिए कहे... कि आपने स्वप्न में देखा कि आप विवाहित है; जबकि सच में आपका विवाह ना हुआ हो, परन्तु आपने स्वप्न देखा। कि आप विवाहित है, और आपकी आंख खुल जाती है और आप जाकर अपनी लड़की मित्र को इस विषय में बताएं और कहे कि, 'मैंने स्वप्न देखा है कि

हमारा विवाह हो गया है, और हमारे पास बालक है। हम लोग प्रसन्नता पूर्वक रह रहे हैं और—और प्रभु के आने की बाट देख रहे हैं, और आदि–आदि।' और तब यह लड़की आपसे कहे, 'देखो मैं तो आपसे अधिक दूसरे व्यक्ति से प्रेम करती हूं। मैं दूसरे व्यक्ति के साथ अधिक प्रसन्न रह सकती हूं।' क्या आप ह्रदय की गहराई से प्रेम में यह कह सकते हैं, 'परमेश्वर की आशीष तुम्हें मिले मेरी प्रिय। इसी दूसरे व्यक्ति के साथ चली जाओ'? "

अब, आप में से हर एक पुरुष और स्त्री इस बात को जांचे। समझे? देखिए, यदि आपका प्रेम सच्चा है तो आप यही करेंगे, क्योंकि आपकी रुचि उसकी भलाई में है। आप जानते हैं कि आप उसे पा लेंगे और उसके साथ रहेंगे... वह आपकी पत्नी है; वह होगी। वह आप से विवाह करेंगी, परंतु वह प्रसन्ना नहीं रहेगी। वह अधिक प्रसन्न होगी... और यदि, आप उस से प्रेम करते हैं, तो आप उसे प्रसन्न देखना चाहेंगे।

इसलिए, परमेश्वर की जो भी इच्छा हो, परमेश्वर की इच्छा पूरी हो जाए, चाहे मुझे उससे प्रसन्नता हो या ना हो। मैं इस प्रकार जीवित रहना चाहता हूं मैं जो करूं उससे वह प्रसन्न हो। इसलिए अपनी—अपनी मनसा और उद्देश को जांचिये इसके द्वारा आज जान जाएंगे कि आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं या नहीं।

क्या हो यदि वह कहे, "तुम मेरी सेवा करो मैं तुम्हें बाहर निकलने वाला हूं? "

"जो भी हो मैं आप से प्रेम करता हूं।"

38 यदि गिर्जे इन बातों को देख सके और इस प्रकार विश्वास कर सके, तब कोई किसी से जबरदस्ती गेंद नहीं छीनेगा जबकी दोनों एक साथ दौड़ रहे हैं। वह उसकी रक्षा करेगा। समझे? जबकी सही सत्य उद्देश्य और निशाना यह कहने का यत्न करना नहीं है, "वाह, मुझे भी *यह* मिल गया! *यह* मैं हूं, *यह*।" देखिए परमेश्वर ऐसे व्यक्ति को उपयोग में नहीं करता। बहुत से नकल करने वाले आ जाते हैं, और वह शैतान है। और लोग इसको अनुभव नहीं कर सकते।वह दूसरे की गेंद को छिनना चाहते है जो उसे दिया गया है। परमेश्वर को कोई सेवकाई किसी के द्वारा बढ़ाने दीजिये और देखिए कितने उसकी नकल करते हैं। समझे? समझे?

39 अब परमेश्वर के लिए सच्चा प्रेम, "इससे कोई मतलब नहीं कि, प्रभु, मैं कौन सा भाग हूं, यदि मैं इस प्रेम के लिए एक ही शब्द कह सकूं तो सहायता और रक्षा करें मुझे यही करने दे।" देखा?

आपकी पत्नी के लिए भी यही बात होगी। यदि आप सच में उसे प्रेम करते हैं देखिए यह—यह एक—एक *फीलियो* प्रेम नहीं है, यह *अगोपो* प्रेम है, सच्चा प्रेम। वह किसी और के साथ प्रसन्न रह सकती है अभी आपकी शादी नहीं हुई है, सही में आप नहीं कर सकते।

40 और, प्रसंग वश लोग इस देश को सुन रहे हो। बहुत से इस बारे में कहेंगे, "क्यों *विवाह और तलाक* में आप ने *यह* कहा है और *वह* कहा है।" मैंने यह बहुत बार कहा है कि यह टेप केवल जाएंगे... भाइयों मैं अपनी मंडली से बोल रहा हूं। मैं इस बात का उत्तरदाई नहीं हूं कि परमेश्वर आपके पास्टर को क्या देता है; मैं तो इस बात का उत्तरदाई हूं कि मैं इन लोगों को किस प्रकार का भोजन देता हूं। यह केवल इस गिर्जे के लिए है। समझे? अब, यदि लोग टेप सुनना चाहे तो यह उन्ही पर निर्भर करता है। परंतु मैं तो वही बोल रहा हूं जो परमेश्वर ने मुझे दिया है। यह उनके पाप थे जो मिटाए गए थे।

किसी ने लिख कर मुझसे कहा, "देखिए, मैंने *यह* किया और मैंने *वह* किया। और आपने कहा हमारे पाप... " मैंने—मैंने यह नहीं कहा।

मैने कहा, "देखिये यह केवल; इन लोगों के लिए है, जो यहां पर है, वह जो यहां गिर्जे में है, मेरा अपना झुंड।" अब, यदि लोग भोजन को दूषित करना चाहते हैं, आपको—आपको परमेश्वर की ओर से कोई प्रकाशन मिलता है और परमेश्वर जो आपसे करने को कहता है आप वही करते हैं। तो मैं भी वैसे ही करूंगा। परंतु यह संदेश इस कलीसिया के लिए है।

41 ध्यान दें, हमें वापस आकर हमें कुछ और लेना है जिसको कि हम ध्यान करना है। कहीं तो आधार हो, दूसरे शब्दों में यह अंतिम आधार, और हर किसी के पास कोई अंतिम या पूर्ण आधार होना चाहिए। कुछ वर्षों पहले मैंने इस पर प्रचार किया था एक पूर्ण, एक स्थान जहां अंतिम वचन हो।

42 जैसे कि गेंद के खेल में एम्पायर, यदि वह कहता है कि लगी है, तो फिर वही है जो कहा गया। इसका कोई अर्थ नहीं कि आपने क्या देखा, एम्पायर ने कहा यह टकराई है।आपने कहा, "मैं—मैं—मैं... यह नहीं टकराई थी,

वह तो निकल गई... मैंने देखा... " यह क्या है इसका कोई मतलब नहीं जब उसने कहा, "लग गई," तो बस हो गया। यह, तय हो गया वही अंतिम है।

43 यातायात की बत्ती अंतिम है यदि वह कहती है, "जाओ।" आप कहे, "भाई, मैं, बहुत जल्दी में हूं, मुझे तो... " नहीं, नहीं। वह बत्ती कहती है, "खड़े रहिये जबकी दूसरे जाते है।" समझे? यह अंतिम है।

44 आप हर काम जो करते हैं उसका कोई ना कोई अंतिम आधार है। जब आप पत्नी चुनते हैं तो उसका भी अंतिम आधार ही होता है। कोई एक स्त्री होती है जिसको आप को चुनना होता है।

45 अब एक ऐसा अंतिम समय होता है जब आप अपनी कार खरीद करते हैं, आप अपना अंतिम फैसला किस प्रकार करते हैं। वह फोर्ड, शेवी, प्लेमाऊथ, विदेशी कार होगी, जो भी हो, आपको अंत पर आना ही होगा।

इसी प्रकार मसीही जीवन भी है। कि कोई तो एक अंतिम आधार लेना ही है।

46 अब, यदि एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के पास जाकर कहे... कि कोई कहता है कि, "भाई तुम्हें बपतिस्मा लेना चाहिए," और यह व्यक्ति कभी भी... हो सकता है उसके गिर्जे में बपतिस्मा ना पाया हो, उन्होंने केवल छीटे मारे हो। उदाहरण की तौर पर, मैं सोचता हूं, वह केवल निवेदन करने पर बपतिस्मा देते हैं यदि आप कहें तो, मैं समझता हूं। यहां हूं या हो सकता है... कैथोलिक, केवल छीटे मारते है मान लीजिए। यदि—यदि व्यक्ति "डुबकी के बपतिस्मे," के विषय में सुनता है, और वह उसे नहीं समझता उसका पालन पोषण कैथोलिक में हुआ है। इसलिए वह पादरी के पास जाकर कहता है, "फादर, मैं समझता हूं कि हमें डुबकी का बपतिस्मा लेना चाहिए। हमारा गिर्जा इस विषय में क्या कहता है? "

47 "वह ऐसा क्यों, कहते हैं कि—कि हम पर छिड़काव ही होना है।" अब यदि वह गिर्जा उसका अंतिम आधार है, तो यह तय हो गया। गिर्जा ऐसे कहता है बस यही ठीक है, सारे विवाद समाप्त हो गए।

48 क्या हो... यदि बैपटिस्ट भाई हमें कहते सुने कि हम "डुबा कर" बपतिस्मा देते हैं? वह कहता है, "मैं इसका विश्वास करता हूं।"

"और यीशु मसीह के नाम में।"

और गिर्जे का यह—यह सदस्य अपने पादरी के पास जाता है और कहता है, "पादरी साहब, एक व्यक्ति ने मुझसे कहता है कि हमे डुबकी का बपतिस्मा लेना चाहिए, यह तो ठीक है, परंतु 'यीशु मसीह' के नाम में।"

49 "अच्छा," तो वह कहेगा, "आओ, तो फिर हम देखें। क्यों, यहां तो पुस्तक कहती कि हमें 'पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा' के द्वारा ही बपतिस्मा लेना चाहिए।" यदि गिर्जा उसका अंतिम आधार है तो यह तय हो गया। वह इस बात कि चिंता नहीं करता कि कौन क्या कहता है; वही उसका अंतिम है।

50 हर, एक नामधारी गिर्जा उसके अपने विश्वासियों के लिए अंतिम है।

परंतु, मेरे लिए, और उसके लिए जिसके लिए मैं आशा करता हूं मैं उसे मसीह के द्वारा, मसीह के पास ले जा रहा हूं तो बाईबल हमारे लिए अंतिम है। कोई बात नहीं... क्योंकि, परमेश्वर ने कहा, "हर एक मनुष्य का वचन झूठा और मेरा सच्चा ठहरे।" और मैं विश्वास करता हूं कि बाईबल परमेश्वर का अंतिम है। इससे कोई मतलब नहीं कि कोई क्या कहता है; यही अंतिम आधार है।

बाईबल कोई विधियों की पुस्तक नहीं है। नहीं, श्रीमान। यह विधियों की पुस्तक नहीं है, ना ही आचरण की धर्म संहित है। बाईबल विधियों की पुस्तक नहीं है, जिसमें बहुत सी विधियां हो, और वगैरा–वगैरा। नहीं, श्रीमान। यह आचरण की पुस्तक नहीं है। नहीं, श्रीमान। ऐसा नहीं है। ना ही यह किसी प्रकार की इतिहास की पुस्तक है। या, ना कि यह धर्म विज्ञान की पुस्तक है। क्योंकि, यह यीशु मसीह का प्रकाशन है।

अब यदि आप पढ़ना पसंद करें, आप जिनके पास कागज है, इसे लिख ले, प्रकाशितवाक्य 1:1 से 3, जैसा, कि बाईबल "यीशु मसीह का प्रकाशन है।"

51 आईए इसे हम पढ़े जबकि हमारे पास समय है। मैं विश्वास करता हूं... मेरे पास बहुत सारी टिप्पणी लिखी हुई नहीं है, जिन से मुझे बोलना है। यदि प्रभु रुका रहता है, क्यों ना हम इसी में से कुछ प्राप्त करने का यत्न करें।

यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, जो उसे परमेश्वर ने इसलिए दिया, कि अपने दासो को वे बातें, जिनका शीघ्र होना आवश्यक

है दिखाएं; और उसने अपने स्वर्गदूत को भेजकर उसके द्वारा अपने दास यहुन्ना को बताया:

जिसने परमेश्वर के वचन, और... यीशु मसीह की गवाही, अर्थात जो कुछ उसने देखा था उसकी गवाही दी।

धन्य है वह जो इस भविष्यवाणी के वचन को पढ़ता है और वे जो सुनते हैं, और इसमें लिखी हुई बातों को मानते है: क्योंकि समय निकट आया है।

52 इसलिए बाईबल यीशु मसीह का पूर्ण प्रकाशन है। और यह भविष्यवक्ताओं द्वारा लिखी गई है। इब्रानियों 1:1, में... "पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादो से थोड़ा–थोड़ा करके और भांति–भांति से भविष्यवक्ताओं के द्वारा, बातें करके इन दिनों के अंत में हमसे पुत्र यीशु मसीह के द्वारा बातें की," वह जितने भी भविष्यवक्ता थे, उन सब को एक साथ, मिला दिया। यीशु मलाकी था; यीशु यर्मयाह था, यशायाह, एलिय्याह था। वे सब जितने थे सब उसी में थे। और आप जानते हैं और मैं सारा का सारा जो भी हूं, उसमें है; वचनों, कि गवाही वचन के लिए।

इसलिए यह पुस्तक विधियों, आचार संहिता कि नहीं ना ही यह इतिहास की पुस्तक है, या धर्मज्ञान की पुस्तक है यह ऐसी नहीं है। परंतु यह तो मसीह यीशु का प्रकाशन है, परमेश्वर स्वयं वचन से, देह में प्रकाशित हुआ है। जो कुछ है वह सही है। बाईबल वचन है और परमेश्वर देह है, परमेश्वर... परमेश्वर वचन है बल्की, और यीशु देह होने के नाते। वह प्रकाशन है, किस तरह परमेश्वर याने वचन देहधारी होकर प्रगट हुआ, और हम पर भेद प्रकट हुआ। और इसी कारण वह परमेश्वर का पुत्र हुआ; वह परमेश्वर का भाग है। आप समझे? अब, ऐसा नहीं... कि देह परमेश्वर का भाग है वह तो केवल पुत्र है।

53 जैसा कि इसे कैथोलिक लेते हैं एक पुत्र, "अनंत पुत्र," और दूसरे गिर्जे भी यही कहते है; इस शब्द का कोई तात्पर्य नहीं। समझे? ऐसा नहीं हो सकता कि अनंत हो और पुत्र भी हो, क्योंकि *पुत्र* एक चीज है जो कि, "कहीं से उत्पन्न हुई है।" और शब्द अनंत से वह अनंत नहीं हो सकता–... वह पुत्र हो सकता है, परंतु वह अनंत पुत्र नहीं हो सकता। नहीं, श्रीमान। वह अनंत पुत्र नहीं हो सकता।

54 परंतु, अब वह पुत्र है, वह सारा वचन जो यर्मयाह में था, मूसा में था, और वह सारे वचन जैसा उसने कहा, "उन्होंने मेरे ही विषय में कहा।" वह सारा वचन का सत्य दिव्य प्रकाशन एक ही मानव की देह में समा गया, और परमेश्वर ने उसको शरीर से ढाप दिया। यही कारण है कि वह "पुत्र," कहलाया इसी कारण वह "पिता" का हवाला देता है। क्यों यह तो बहुत साधारण है, यदि आप परमेश्वर को इसे अपनी बुद्धि में डालने दे। समझे? परमेश्वर मांस की देह में प्रगट हुआ, ध्यान दे, देह से प्रगट हुआ... या वचन से देह में प्रगट हुआ। यहुन्ना 1:14 यही है, "और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच डेरा किया।"

55 अब इस बाईबल पर ध्यान दें। उनमे से कुछ नहीं, "ओह, उसने, यह किया, उसने वह किया।" परंतु मैं आपको कुछ बताऊं, आइए...

आइए हम जरा बाईबल के इतिहास में चले कि यह कहां से आया। यह भिन्न–भिन्न चालीस लेखकों द्वारा लिखी गई। चालीस व्यक्तियों ने सोलह सौ वर्षो से अधिक से अलग–अलग इस बाईबल को लिखा, और अलग–अलग समयो में, संसार के इतिहास की विशिष्ट घटनाओं को लिखा, बहुत सी बार घटना के घटित होने के हजारों वर्ष पहले लिखा। और इन छेसठ किताबों में एक भी गलती नहीं है। ओह, आश्चर्य! इसका लेखक कोई और नहीं केवल परमेश्वर स्वयं ही है वही इतना सही हो सकता है। एक भी शब्द दूसरे का विरोध नहीं करता।

याद रखें, सोलह सौ वर्षों की अवधी में, बाईबल लिखी गई, मूसा से—से लेकर पितमुस टापू पर यूहन्ना की—की मृत्यु तक। सोलह सौ वर्षों में चालीस विभन्न लेखकों द्वारा लिखी गई; इनमे कोई एक दूसरे को नहीं जानता था, और उनके पास "यह वचन" के रूप में कभी नहीं थी। इनमें से बहुत सो ने "शब्द" देखा तक नहीं। परंतु जब इन्होने लिखा, तब वे भविष्यव्यक्ता समझे गये, जब उनकी भविष्यवाणियां सब एक साथ मिलाई गयी, तो वे सारी एक दूसरे में एक दूसरे के साथ एक ही सूत्र में बंधती चली गई।

56 पतरस को देखिए, जिसने पेंटीकोस्ट पर यह घोषणा की, "तुम में से हर एक प्राश्चित करें, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।"

पौलुस ने इस विषय में कभी नहीं सुना। वह तो अरब में तीन वर्षों के लिए पुराने नियम के अध्ययन के लिए चला गया, कि देखे वह आग का खंभा कौन था जो उससे मार्ग में बोला यह कहते हुए, "शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? " वह कैसे गलत हो सकता है? उसने तो कभी भी कलीसिया से कोई भी सम्मति नहीं ली।

और चौदह वर्षों बाद, जब वह पतरस से भेंट करता है, तो वे वचन दर वचन एक ही प्रचार कर रहे थे। यह है हमारी बाईबल। किसी भी मनुष्य का वचन और असफल होगा। *इसमें,* कोई मनुष्य कुछ भी नहीं मिला सकता। आप बाईबल में कुछ भी ना बढाये। नहीं श्रीमान। यह पूर्ण प्रकाशन है। बस।

57 जिस प्रकार की सात मोहरे। "वे सात मोहरे," कोई मुझसे कह रहा था, "अब... भाई ब्रन्हम प्रभु आपसे बातें करेगा, जब यह मोहरे खोली जा रही है, और वह हमें बताएगा कि हम परमेश्वर के और पास कैसे पहुंच सकते हैं, और इसे कैसे करें।"

58 मैंने कहा, "नहीं, श्रीमान, यह नहीं हो सकता। क्योंकि, बाईबल पर सात मोहरे दी गई है, और इसमें सात भेद छिपे हुए हैं। यह पहले ही लिखे जा चुके है, परंतु, वे इसे नहीं समझ सके कि यह क्या है।"

देखिए वह कैसे इतने समय तक "यीशु" के नाम में बपतिस्मा देते रहे; देखिए, यह ऐसा तो नहीं था। यह "प्रभु यीशु मसीह" के नाम में! इन सब बातों को देखें, कि यह कैसे थी। क्योंकि यहां तो बहुत से यीशु है; इस पृथ्वी पर मेरे बहुत से मित्र "यीशु" नाम के हैं, सेवक मित्र है। वह ऐसा नहीं है, यह हमारा "प्रभु यीशु मसीह" है।

कोई लेखक नहीं केवल परमेश्वर ही ठीक हो सकता है। आइए जरा हम देखे कि यह बाईबल कैसे लिखी गई थी।

59 अब, जरा उदाहरण के लिए देख ले... कि हम जाकर चिकित्सा विज्ञान की छेसठ किताबों को ले जो शरीर से संबंध रखती है, जो कि चालीस विभिन्न चिकित्सा स्कूलों में लिखी गई हो... और सोलह सौ वर्षों की अवधी में ले ले? कोई आश्चर्य नहीं कि उसमें किस प्रकार की निरंतरता निकल कर आएगी?

दो सौ वर्ष पहले जब, हमारा राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन को, निमोनिया के लिए, उन्होंने उसके पैर के नाखून खींच कर निकाल दिए और उसका खूब सारा लहू बहने दिया। क्या हो यदि हम अब यही करें...

60 आइए हम थोड़ा सा आगे बढ़कर और कुछ चीजों को देखें जिसके प्रति हम लोग आजकल बहुत आकर्षित है, वह विज्ञान है। क्या हो यदि हम विज्ञान चालीस पुस्तकें सोलह सौ वर्षो की अवधि से ले, और देखें कि क्या निकलेगा इससे? एक फ़्रांसीसी वैज्ञानिक ने तीन सौ वर्ष पहले, विज्ञान से सिद्ध किया कि, यदि एक गेंद को, भयंकर गति तीस मील प्रति घंटे से लुढकाया जाए तो वह वस्तू पृथ्वी से उठ जाएगी, और बाहर की ओर निकल जाएगी। क्या आप सोचते हैं कि विज्ञान ने इस बात का उल्लेख फिर कभी किया? क्या अब इस बात से तालमेल बैठता है जबकि आज वे गलियों की सड़कों पर सौ या पच्चास मील की गति से वाहन दौडाते हैं? परंतु उसने वैज्ञानिक विधि से गेद के दाब द्वारा सिद्ध किया, कि यदि गेद मैदान में, तीस मील प्रति घंटे की गति से लुढ़के, तो वह पृथ्वी से ऊपर उठ जाएगी और अंतरिक्ष में पहुंच जाएगी। नहीं, अब इसमें कोई ताल मेल नहीं है।

61 परंतु बाईबल का एक भी शब्द दूसरे का विरोध नहीं करता। ना ही कोई भविष्यवक्ता दूसरे का विरोध करता है। वे सब के सब सिद्ध थे। और जब एक में आकर भविष्यवाणी की, और जब सच्चा दूसरा भविष्यवक्ता उठ खड़ा हुआ, और उसने उसके वचनों को दोहराया, तो वह पूरा हो गया था। समझे? समझे? इसलिए बाईबल सच्चे विश्वासियो के लिए परमेश्वर का वचन है।

62 आप डॉक्टरों के कथनों को भी एक मत पर नहीं पाएंगे। उनसे भी आप कोई दृढ़ निश्चय नहीं निकाल पाएंगे। अब आप विज्ञान में भी निश्चित धारण नहीं पाएंगे।

अब, आप जानते है, कुछ समय पहले, उन्होंने हमें बताया ... कि, "जब बाईबल कहती है, कि 'उसने देखा चार स्वर्गदूत पृथ्वी के चारों कोनों पर खड़े है,' ऐसा तो नहीं हो सकता। पृथ्वी तो गोल थी।" परंतु बाईबल ने कहा, "चार कोने।" अभी अपने दो सप्ताह पहले, या तीन सप्ताह पहले अखबार में एक लेख था, कि उन्हें मालूम चला कि संसार चौखुंटा है। कितनों ने देखा है? क्यों, ठीक है। देखिए? मैंने उसकी कोपीयाँ करवा ली और इस बात कि प्रतीक्षा कर रहा था कि कोई कुछ कहे।

63 और किसी दिन उन्हें पता चलने वाला है, कि वे अंतरिक्ष में एक सौ पच्चास लाख प्रकाश वर्ष नहीं देख रहे हैं याने। वे एक ही चक्कर में घूम रहे

हैं। यह ठीक बात है।

इन्हीं दिनों में आपको मालूम होने वाला है, कि जब आप स्वर्ग में जाते हैं, तो आप कहीं बाहर नहीं उड़ जाते है। आप यहीं पर ही है, केवल दूसरे प्रकार के क्षेत्र में जो इससे अधिक गतिमान है वहां है।

इसी कमरे में बहुत से रंग आ रहे हैं। हर रंग, कमीज, पोशाक, जो कुछ भी आप पहने हुए हैं अनंत है, वह सब रिकॉर्ड में है और दुनिया के चक्कर लगा रहे हैं। हर बार जब आप पलक झपकते हैं वह रिकॉर्ड में है। देखिए, टेलीविजन इसे सिद्ध करता है।

64 जब आप पैदा हुए परमेश्वर ने रिकॉर्डर चला दिया। वह बनाता नहीं... वह रिकॉर्ड रखता है, आप जानते हैं कि थोड़े समय के लिए वह शोर नही करता। वह छोटा बालक, जब तक वह संसार में नहीं आता; परंतु उसके बाद वह शोर आरंभ करता है, वह जो भी कहना आरंभ करता है और कार्य करता है उसके लिए उसे उत्तर देना है। और जब वह जीवन समाप्त हो जाता है तो वह रिकॉर्ड या टेप लेकर परमेश्वर की बहुत बडे पुस्तकालय में—में रख दिया जाता है। अब, आप न्याय के दिन कैसे करेंगे? वह फिर से आपके सामने बजाया जाएगा, आपका हिलना डुलना, हर विचार जो आपके मस्तिष्क से गुजरा। क्या आप देख सकते हैं? अब क्या आप देख सकते हैं कि परमेश्वर कहां है...

65 उस रात, जब यहां मैं खड़ा था, और वहां मंच पर, एक लंबा गंजे सर वाला व्यक्ति, जो देखने में वास्तविकता में सुंदर तगड़ा व्यक्ति था। और वह बाहर गया... प्रभु ने उसके परिवार के बारे में सब कुछ बता दिया और उसे क्या करना चाहिए। और वह बाहर जाकर बैठ गया। कुछ ही मिनटों बाद एक और व्यक्ति मेरे सामने वैसा ही आया, परंतु उसका सिर झुका हुआ था। मैं नहीं समझ सका, मैंने उस व्यक्ति को फिर देखा... परंतु वह तो वह नहीं था, क्योंकि वह कोई और था। और इस व्यक्ति को, मैं ढूंढ नहीं पाया। चारों ओर देखा, मेरे पीछे भी कोई नहीं था। मैंने कहा, "वह व्यक्ति वहां पर्दे के पीछे बैठा है।" और यह... एक भाई था जो यहां गिर्जे में आया करता था, लम्बा, गंजे सिर का, सुंदर नवयुवक वह इस तरह बैठा था। और उसका सिर नीचे झुका हुआ था, और वह प्रार्थना कर रहा था, क्योंकि वह पेट के रोग से मरने पर था।

उसे जूते का एक जोड़ा मिलने वाला था। उसकी पत्नी उसके लिए खरीदना चाहती थी। उसने कहा, "नहीं, मुझे यह नहीं चाहिए, क्योंकि इन्हें पहनने के लिए मैं जीवित नही रहूंगा।"

वह मर रहा था। और देखिए, वह उस आयाम में बैठा था, हाल्लेलुय्या, परमेश्वर ने जरा हलचल की और कहा, "वह वहां बैठा है," उसी अवस्था में जिसमें वह था। आप समझे मेरा क्या अर्थ है?

66 अब ध्यान दे वचन में कोई गलती नहीं है। यीशु, परमेश्वर का वचन जो ह्रदय और विचारों को जान लेता है। "परमेश्वर का वचन प्रबल, और तेज है," इब्रानियों 4:12। "परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी, अधिक तेज है, वह विचारों और मस्तिष्क की भावनाओं को भी जांचता है।" देखा? मस्तिक्षक में जाकर विचारों को खेच लाता है, और समझाता है।*समझ* लेना क्या होता है? "जान लेना, प्रगट करना।" और यही है जो परमेश्वर का वचन करता है।

आज हम कहते हैं कि, "कैथोलिक गिर्जा परमेश्वर का वचन है; बैपटिस्ट, मैथोडिस्ट, पेन्तेकोस्तल, टेबरकल।" यह गलत है। वचन प्रकाशन है; परमेश्वर, वचन द्वारा प्रगट हुआ।

67 नहीं, हम नहीं पा सकते... हम चिकित्सा विज्ञान और दूसरे वैज्ञानिको में कोई भी, निरंतरता नहीं पाते।

यदि आईन्सटाईन के पास कोई आत्मिक प्रयोग होता, जैसा कि उसके पास यह—यह भौतिक प्रयोग है, जैसा कि उसने प्रकाश के नियमों और दूसरा–दूसरा अध्ययन किया है, तो वह हमें कुछ बता सकता। जब मैंने उसका आकाश में किसी महान अज्ञात केंद्र पर संदेश सुना, "जिसको कभी नहीं छुआ गया, आप उससे पृथ्वी बना सकते हैं, और कुछ भी कर सकते हैं, उसकी सामर्थ असीमित होती है।" देखा? उसने उसे देखा।

68 आप हवा में इन छोटे–छोटे पिण्डो को देखते हैं वे उसे उड़ता "तश्तरी," कहते हैं या जो भी कहे। इसलिए लोगों... वह अच्छा हो कि हम उन्हें रहने दे। "सुनते हैं कि यह लोग आकर गायब हो जाते हैं?" आप यह कहते है। क्या आप नहीं सुनते; कि वे वहां खड़े हैं और वे अब वहां नहीं है।

इसी प्रकार से रेपचर होने वाला है। इनमें से एक नीचे गिर जाएगा और यह स्वाभाविक देह स्वर्गीय देह को धारण कर लेगी। और वे... छिप जायेगे,

बाल या हड्डियां बची हुई; यह क्षण भर में बदल जायेगे, और अंतरिक्ष से होते हुए और घर चले जायेगे। हम देखते हैं यह सब इस समय चल रहा है और—और पेन्टागोन इन प्रकाशो के कारण आश्चर्य में है, और यह अद्भुत दिव्य प्रकाश, और सारी चीजें उस—उस आकाश में दिखाई दे रही है। आपने जैफरसनविले के इस सप्ताह के अखबारों में उस "रहस्यमय प्रकाश" को देखा, जो यहां पर था। ओह, वह लोग नहीं जानते कि यह क्या है। परंतु बालको, सुनो किसी एक दिन यह आपको ले जायेगा। समझे? समझे? घबराओ नहीं।

याद रखिए, यीशु ने कहा, "जैसा कि सादोम के दिनों में था।"

69 सादोम के थोड़ा सा पहले क्या हुआ? परमेश्वर कुछ स्वर्गदूतो के साथ नीचे उतर आया था, उन्होंने जांच पड़ताल का न्याय किया। कहा, "मैंने पाप से भरी चिल्लाहट सुनी है, यह इतनी तेज है, कि यह पता लगाने के लिए कि यह सत्य है या नहीं मैं नीचे उतर आया हूं। यह ठीक है? उस विशेष को देखिए जो इब्राहम के पास रुक गया था, वह साराह के विचारों को जो उसके पीछे थी जान सकता था।

आप जरा चारों ओर अपनी दृष्टी घुमाये और ध्यान दें कि क्या हो रहा है, वही बात आज है। यह जांच पड़ताल का न्याय है।

क्यों, थोड़ी देर बाद यह कलीसिया, जब वह उस स्थान पर ठहर सकती है, और हर बीज अपने स्थान पर आ गया है, वे चले जायेगे। वे नहीं जान पायेगे कि उन्हें क्या हुआ। एक, एक ओर चला जायेगा। समझे? एक अपने पादरी के घर जा रहा होगा और एक *यहां* जा रहा होगा, या *यहां*, और तब पहली चीज आप जानते है, कि वे वहां नहीं है। और हनोक जो कि उदाहरण था, "परमेश्वर ने उसे उठा लिया और वह नहीं मिला।" जांच पड़ताल के लिए नीचे उतर आता है! इस निरंतरता में हनोक कैसे बदल गया, isra का एक उदाहरण है जो कि जहाज में पार हुए थे...

70 परमेश्वर का वचन बहुत ही सिद्ध है, पुराने और नए नियम में भी, जो कि एक ही चीज के दो भाग है। यह ठीक है। पुराना नियम इसका आधा भाग है नया नियम इसका आधा भाग है; इन दोनों को साथ मिला दे, तो आपको यीशु मसीह का पूर्ण प्रकाशन मिलेगा। यहां भविष्यवक्ता बोल रहे हैं, और यहां वह व्यक्ति में है; देखा, दो आधे और एक संपूर्ण। अब हम अधिक नहीं लेंगे...

71 अब, याद रखिए पुराना नियम, नए नियम के बिना पूर्ण नहीं है। और नया पुराने के बिना पूरा नहीं हो सकता। इसी कारण मैंने कहा दो आधे एक पूरा बनता है। क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने कहा, "वह यहां होगा! वह यहां होगा! वह यहां होगा; वे उसके साथ *यह* करेंगे, वे उसके साथ *ऐसा* करेंगे!" और वह यहां है, "वह यहां था! वह यहां था, उन्होंने उसके साथ *यह* किया, और उन्होंने उसके साथ *यह* किया।" मैंने अभी कुछ ही रातों पहले यह प्रचार किया है।

72 अब, वचन का अध्ययन करते हुए, पौलुस तीमुथियुस को बताता है, "इसका अध्ययन कर परमेश्वर के वचन को सही–सही बात जो कि सत्य है।"

ये तीन अनिवार्यता वचन में होने चाहिए। परमेश्वर का वचन प्रयोग में लाते हुए यह तीन आप को नहीं करने चाहिए। आइये इसका अगले दस मिनट में अध्ययन करें; तीन बातें जो आपको नहीं करनी चाहिए। और बाहर जो लोग राष्ट्र में जहां कहीं भी है, इसको अपने मस्तिष्क में रख लीजिए यदि आपके पास लिखने को पेंसिल नहीं है। आपको यह चीजें नहीं करनी है। हम आपको हमेशा बताते हैं कि आपको क्या करना है, अब मैं बताने जा रहा हूं कि आपको क्या नहीं करना है।

73 अब आप वचन का *गलत अर्थ* नहीं बताना। आप कहे, "भाई, मैं विश्वास करता हूं, कि इसका अर्थ *यह* है।" उसका अर्थ वही है जो वह कहता है। इसे किसी अनुवादक की कोई आवश्यकता नहीं। और वचन को *गलत* जगह पर नहीं लगाना चाहिए। और आपको वचन नहीं *तोड़ना* चाहिए। और यदि हम इसमें से कुछ भी करेंगे तो यह बाईबल में गड़बड़ी और असमंजयस उत्पन्न हो जाएगा।

74 ध्यान दें। यीशु का इस प्रकार गलत अर्थ लगाना कि वह एक मनुष्य, परमेश्वर रूपी है, तो आप उसे—आप उसे तीन परमेश्वरो में से एक परमेश्वर बना देंगे। यीशु मसीह को वचन होने पर भी आप उसे तीन में से एक परमेश्वर बना देंगे, या आप उसे परमेश्वरत्व में दूसरा व्यक्ति बना देंगे। और ऐसा करके आप संपूर्ण वचन में गड़बड़ी कर देंगे। आप किसी भी निष्कर्ष नहीं पहुंच पायेंगे। इसलिए इसका गलत अर्थ नहीं लगाना चाहिए।

75 यदि आप कोई एक बात कहते हैं और उसकी व्याख्या करते है, और आप दूसरी बार उसे कहीं और लागू करते है; या वह पहले ही कहीं और किसी समय पर लागू की जा चुकी हो तो आप भी गलत व्याख्या कर रहे हैं।

76 यदि बाईबल में कोई यीशु मसीह की गलत व्याख्या करें कि वह स्वयं परमेश्वर नहीं है, उसे दूसरा व्यक्ति बनाएं या वह तीन में से एक परमेश्वर है, तो यह पूरी बाईबल के हर वचन में गड़बड़ी उत्पन्न कर देगा। वह बाईबल की पहली आज्ञा को तोड़ देगा, "तेरे पास मुझे छोड़ कोई और ईश्वर ना हो।" ठीक है। यह सारी मसीही जाती को मूर्ति पूजको का झुंड बना देगी जो तीन विभिन्न ईश्वरो की उपासना करते हैं। तो देखिए आपके पास किस प्रकार कि बाईबल होगी? यह हमें वही बना देगी जो यहूदी हमारे लिए कहते हैं। कहते है, "कि इनमें से कौन सा तुम्हारा परमेश्वर है? " देखा? इसलिए, देखिए, आप ऐसा नहीं कर सकते... आपको बाईबल की गलत व्याख्या नहीं करनी चाहिए।

क्योंकि, यीशु स्वयं बाईबल की व्याख्या है, जब वह उस युग में प्रगट हुआ तो वह उसके शरीर में प्रगट होने वाला भाग है जिसमें वह प्रगट हो रहा है। यदि वह हाथ का युग है, तो उसे हाथ होना चाहिए; वह सिर का युग नहीं हो सकता। यदि वह शब्द का युग है फिर तब तो वह पैर का युग नहीं हो सकता। समझे? और अब हम आंख के युग में है। और अब अगला, वहां स्वयं आने वाला है। देखना; भविष्यकथन संबंधी!

77 देखिए, पीछे युग में, हमने पहली कलिसिया, युग के नीव से आरंभ किया; जब पूर्ण बीज नीचे जमीन में चला गया। तब यह पैरों, लूथर से होता हुआ; और वैसली से होता हुआ; फिर यह पेंटीकोस्ट में, जुबानो होठों में आया, देखा; अब यह आंखों में है, मलाकी चार के, भविष्यकथन और वगैरा–वगैरा। और अब कुछ और शेष नहीं बचा, केवल यह कि वह आप स्वयं आये कि उसमें प्रवेश करें, क्योंकि यही वह अंतिम बात है।

अगला बुद्धि है, और हमारी अपनी कोई बुद्धि नहीं है; वह उसकी है। हमारे पास हमारी अपनी कोई दृष्टि नहीं है। मनुष्य कैसे पहले से उन बातों को देख सकता है वह ऐसा नहीं कर सकता। यह परमेश्वर स्वयं है। देखिए, यह—यह एक स्थान बन गया है। और वह पूरी तरह से देह का निर्देशन करता है, तब मसीह की पूरी देह दुल्हन के रूप में प्रगट होती है जो कि

उसकी पसली में से निकाली गई थी, जिस प्रकार आरंभ में आदम ने किया था... बल्कि आरंभ में जैसे आदम के साथ हुआ था।

78 जी हां, "ईश्वर" यह पूरी बाईबल को गड़बड़ी में डाल देगा, पहली आज्ञा टूटती है, और ईश्वर में बदल जाता है, पागान के तीन ईश्वरो में से एक। यह तो केवल—यह तो केवल बाईबल की सारी तस्वीर ही नष्ट कर देगा। इसलिए आपको बाईबल की गलत व्याख्या नहीं करनी चाहिए। अब, यह वह पहली बात है।

79 जबकि बाईबल के हर लेख के लिए यही लागू होता है, आपको उसे उसी के स्थान पर ही रहने देना चाहिए। और उसे उसके स्थान से हटाने पर आप उसे एक युग में परमेश्वर बना सकते हैं और—और अगले युग में आप उसे इतिहास बना देंगे, उसके स्थान से हटाकर। इसलिए वचन को गलत स्थान पर भी नहीं लगाना चाहिए। वह सदा से परमेश्वर है। यदि आज आप उसे इतिहास का परमेश्वर बनाते हैं, तो वह पूर्व युग में क्या था, और आज वह वैसा नहीं है तो आप इब्रानियों 13:8 के साथ क्या करने जा रहे हैं? देखिये, "वह कल, आज और युगानयुग एक सा है।"

80 अब, हम देखते हैं कि इससे क्या होता है, और इससे क्या हुआ। यह तो पहले ही हो चुका है कि उसके वचन को गलत स्थान पर, लगाने से वह अपने वचन का इन्कार कर देता है।

81 वचनों को अलग करने से आप उसकी देह को गलत बना सकते हैं, जहां सिर होना चाहिए वहां पैर लगा कर, या ऐसे ही कुछ। इसी तरह से जैसे... दूसरे शब्दों में, आप यीशु से मूसा का संदेश सिखावा रहे हैं। आप कर सकते है... या यहां तक कि मिल सकता है। वैसली लूथर के युग को प्रचार कर रहा है आपको मिल सकता है हमारे युग में पेंटीकोस्टल शिक्षा दे रहे है, पेंटीकोस्टल संदेश। आप देखते कि कितनी गड़बड़ इसमें हो जाएगी? पेंटीकोस्टल तो अपना चरित्र पहले ही दिखा चुके हैं। लूथर भी अपना चरित्र दिखा चुके हैं, उपाधी में जाकर। वह वही मर गए। युग के आरंभ होते ही और चले गए।

82 ध्यान दें, ज्यो ही वे संगठित हुए, वे मर गए। अब, जरा देखें यदि यह ठीक नहीं तो। इतिहास के पन्नों से होते हुए पीछे दृष्टि डालें। हर बार वे संगठित हुए और वही मृत हो गए; फिर उनका इससे अधिक कुछ नहीं हुआ। यह संसार के एक—एक ईश्वर के उपासक बन गए, और संरचना

में और संगठन और उपाधियों, और भ्रम में चले गए। एक बेकार लोगों का झुंड वहां घुसकर अपनी आपत्तियां उठाते हैं, या अपने विचारों को उनमें घुसाते है, जैसे भी हो। और तब क्या होता है? वहां सब गड़बड़ हो जाता है। इस संसार के ईश्वर की ओर बढ़ते जाते हैं, जहां वह शैतान को स्वयं सिंहासन पर बैठाते हैं, और यह सोचते हैं कि उनके पास संसार का सबसे बड़ा नेता है जो कि शांति लाएगा।

83 मैंने उस दिन भी आपको बताया था, मैं फिर से कहूंगा कि यहां तक कि आज की सभ्यता भी बिल्कुल परमेश्वर के विरोध में है। सभ्यता परमेश्वर के विरोध में है। शिक्षा उससे लाखों मिल दूर है; विज्ञान लाखों मिल दूर है। विज्ञान और शिक्षा परमेश्वर को झूठा ठहराने का यत्न कर रहे है, देखा, धर्म विद्यालयो और विद्यालयों और विज्ञान प्रयोगशालाओं और वगैरा–वगैरा के द्वारा। वे अपना आंदोलन कर चुके।

उस रात्रि उस दर्शन के विषय में क्या है, फिर जिसमें एक मनुष्य उन वैज्ञानिकों के विरोध में जो अपना मत दे रहे हैं चिल्लाया? वे जरा सा घूमे और उसे देखा और चले गए। एक और घुड़दौड़ होगी।

84 ध्यान दें, यह तीन अनिवार्यताये होनी ही चाहिए। आप ऐसा नहीं कर सकते... यीशु नूह का संदेश प्रचार करने नहीं आए। वह मूसा का संदेश प्रचार करने नहीं आए या, मूसा किसी और का प्रचार करने... देखिए वचन को गलत स्थान पर मत रखिए। यह तो समय पर ही होना है। आप, इसको लागू नहीं कर सकते... जब वह महान व्यक्ति, जॉन वेसली, आया था, या...

वह महान व्यक्ति, लूथर जब अपने संदेश न्यायोचित के साथ आया था। और जब... लूथर महान व्यक्ति था। तो वह कलीसिया को अंधकार में से लाया आया, और विश्वास के द्वारा न्यायोचित प्रमाणित किया। और जब उसने यह किया तो उन्होंने उससे ऊपर उसे संगठित किया, और वे मृत हो गए। जीवन गेहूं के पौधे में जैसे चलता है, चला वहां से निकलकर वैसली युग में आया फुदनी में। लूथर में से बहुत सी पत्तियां निकली और वे उसी के साथ मृत हो गई, जो कि ज्विगली, और कोलविन, और दूसरे–दूसरे महान सुधारक निकले थे।

85 तब वैसली आता है, एक और युग का फुदनी में शुभआरम्भ हुआ। वैसली और एटरबरी और वे सब, और—और जॉन और उसका भाई,

और वे परमेश्वर के महान व्यक्ति अपने संदेश के साथ सारे राष्ट्र पर छा गए। इन्होंने इसे संगठित किया; और ये मर गए।

तब वह आगे बढ़ी तो ऐसा लगा कि वह बीज उत्पन्न करने वाली थी, परंतु जब उसे देखा गया तो वह भूसी थी, पेंटीकोस्टल।

परंतु इन सब के बाद में एक छोटी कली आती है।

और आप अक्सर ध्यान देते हैं... मैं सोचता हूं कि लूथर के समय जब वह तीन या चार वर्ष से अपने कार्य पर था, तब ही लूथरन गिर्जा संगठित हो गया था। वैसली के अपने कार्य पर होते हुए थोड़े समय पश्चात वह गिर्जा संगठित हो गया था।

86 ट्यूसान में, हमारे पास एक—एक कार्यक्रम था कि किस प्रकार से वैसली कलीसिया या मैथोडिस्ट गिर्जा अस्तित्व में आया। और वे जब यहां अमेरिका में आए, बहुत से लोगों ने वापिस आकर कहा कि इन्होंने इंग्लैंड का एक चरित्र तैयार किया है, जिसको वे यहां लाए हैं, और इसको इसी तरह से दर्शाया गया। मैंने तभी देखा कि क्या हुआ। और वह वहां मर गई।

87 फिर पेंटीकोस्टल आते हैं, वही जो पुराने समय में चिल्लाने वाले होते थे, जिन्हें भाषाएं बोलने का वरदान मिला और भाषाओं के बोलने के द्वारा आरंभ हुआ। उन्होंने इसका नाम रख दिया, "पवित्र आत्मा का प्रमाण।" तब वे संगठित हुए। एक ने कहा वह *यह* करने जा रहा है, और दूसरा *कुछ* और उनके पास विवाद पर विवाद थे। यह क्या करेगा? उनमें से प्रत्येक अधूरा रह गया जिस प्रकार की डंठल और जिस प्रकार फुदनी ने किया। उनमें एक वाद, दो वाद, तीन वाद, और चर्च ऑफ गॉड और वह सब; अधूरा, अधूरा, अधूरा रह गया।

परंतु प्रकृति के अनुसार जो कि सिद्ध उदाहरण है, इसके बाहर, आप कभी भी कुछ नहीं सीखा पाएंगे।

88 एक दिन एक परिवार, जो केन्टकी में मेरा मित्र है, उनके पास एक दिन छोटा—छोटा बच्चा उत्पन्न हुआ, जब वे भी हमारा दोपहर का भोजन पका रहे थे तो मां ऊपर थी। और वह दूसरी बहनों की सहायता कर रही थी जो हमारे झुंड के लिए जो शिकार पर था खाना पका रही थी। और बालक रोने लगा, और मैं बातें कर रहा था। मैं सोचता हूं मां को थोड़ी परेशानी महसूस हुई, इसलिए वह भाग कर गई और बच्चे को लेकर, और—और

बच्चे को—को दूध पिलाने लगी। मैंने कहा, "आप जानते हैं यह तो प्रकृति है।" समझे? अब आप नहीं कर सकते...

वे बालक के लिए कोई और अच्छा रास्ता ना पा सके कि वे उसे वही दे जिसके लिए वह चिल्ला रहा है। अब, आप उसे नीतिशास्त्र की पुस्तक देकर बैठा दे और कहे, "मैं तुम्हें धर्म की शिक्षा देना चाहता हूं, पुत्र। अब, तुम दूसरे बच्चों की तरह चारों और चीखना चिल्लाना मत करो; तुम भिन्न हो। अब, जब तुम्हें भोजन की चाह हो तब तुम इस छोटी घंटी को बजा देना।" इससे तो काम नहीं चलता। नहीं, इससे काम नहीं चलता।

89 इसलिए जब आप प्रकृति का अवलोकन करें, अब हम देखते कि हर युग सीधे तौर पर इस तरह बनाया गया है कि हम अंतिम युग में है। भूसी अलग हो चुकी है। और हमें अब पंद्रह या लगभग बीस वर्ष हो गए हैं, कि यह संदेश राष्ट्र से राष्ट्र, और इस प्रात: भी पूरे राष्ट्र में टेलीफोन द्वारा चल रहा है और, देखिए, कोई संस्था नहीं है। यह संस्थागत नहीं हो सकता। इस तरह इससे पहले कभी नहीं हुआ, या आने वाले समय में होगा। समझे?

वह—वह बात जो आज इस संदेश में महत्व रखती है, वह जो इसे अपने ह्रदय में ग्रहण करते हैं उन्हें इसे पुत्र की उपस्थिती में रखना चाहिए कि पकाया जाए। समझे? आप इस संदेश को ग्रहण कर सकते हैं, और पुत्र को आप में से आपकी सारी हरियाली को पकने दें, कि उसे परिपक्व मसीह बना दें। आप समझे कि मेरा क्या अर्थ है? परमेश्वर अपनी कलीसिया को लेने के लिए जल्दी आ रहा है, और हमें इस तरह का मसीही होना चाहिए कि हम उसका स्वागत कर सके। उस गेहूं को पकना ही है। ठीक है।

90 और यह तीन अनिवार्यताये अवश्य होने चाहिए। गलत व्याख्या ना करें, या गलत उपयोग ना करें, गलत व्याख्या ना करें–... या गलत स्थान पर ना रखें। इसको वैसे ही रखे जिस तरह से परमेश्वर ने कहा था।

संसार के लिए यह भेद की पुस्तक है।लोग यह सोचते हैं कि यह भेद भरी पुस्तक है। एक बार मैं एक विख्यात व्यक्ति से बात कर रहा था, यहा इसी नगर में, उसका मसीही समाज में बहुत सम्मान है, और उसने कहा, "एक रात मैंने प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को पढ़ने का प्रयत्न किया।" कहने लगा, "यूहन्ना ने बहुत सारी काली मिर्च खा ली होगी और उसे यह भयंकर स्वप्न दिखे।" देखिए, भेदो की पुस्तक।

91 परन्तु जबकि सच्चे विश्वासी के लिए यह परमेश्वर का प्रकाशन है जो कि इस युग में जिसमें हम रह रहे हैं प्रकाशित किया जा रहा है। उसने कहा, "मेरे वचन आत्मा और जीवन है।" यीशु ने यह कहा है। फिर से, "वचन एक बीज है जिसे बोने वाला बोता है।" हम जानते हैं यह सत्य है। यह परमेश्वर वचन के रूप में हैं और इसकी व्याख्या वह स्वयं कर सकता है।

मनुष्य के मस्तिष्क में इतनी समर्थ नहीं है कि परमेश्वर के मस्तिष्क की व्याख्या करें। किस प्रकार से एक छोटा—छोटा सीमित मस्तिष्क असीमित मस्तिष्क की व्याख्या करें, जबकि हम एक दूसरे के विचारों की व्याख्या नहीं कर सकते?

92 और आप ध्यान दे कि वही है जो इसकी व्याख्या कर सकता है, और वह जिसको चाहे उसकी व्याख्या बता सकता है। यह ऐसा नहीं कहा गया कि, "पुराने मरन हारो ने जो पृथ्वी को एक सिरे से दूसरे सिरे तक चले गए बीते युगो और भिन्न–भिन्न तरीकों से।" "परमेश्वर ने बीते हुए समयो और भांति–भांति से अपने भविष्यवक्ताओं पर अपने को प्रगट किया।" देखा?

93 और, ध्यान दें, "वह किस पर यह प्रगट करेगा।" और उसने इसको इस प्रकार से बनाया है कि वह अपने आपको वचन में तेज तर्रार धर्म विद्वानों से छुपा ले जाए। ओह, प्रभु! वह अपने को छिपा सकता है, वही वचन में होता है, और आप उसे सारा दिन देखते रहते हैं और कभी नहीं देख पाते; सारे जीवन भर देखते हैं और उसे कभी नहीं देख पाते। वह वहीं पर होते हुए, अपने आप को छुपा सकता है।

94 अब कृपया हर स्थान पर इसे अपने में ग्रहण होने दीजिए। कि परमेश्वर वचन में है और वह अपने आपको वचन में छिपा सकता है। ऐसा कोई धर्म विद्वान या विद्यालय इस संसार में नहीं है कि उसे ढूंढ सके, और जबकी वह वही होता है।

आप कहते है, "क्या यह ठीक बात है भाई ब्रन्हम? "

फरीसियो और सदूकियो के विषय में क्या था? प्रत्येक युग में यह कैसे था? उसने यही किया। जी हां। उसने ऐसा हर युग में किया। अब हम यह जांच सकते हैं। आइए नूह के दिनों के विषय में विचार करें; तीक्ष्ण बुद्धि और समझदारी का युग किस प्रकार से उसने अपने को अपने प्रतिज्ञा किए हुए वचन में छिपा लिया। मूसा के दिनों में वह कैसे छिप गया। एलिय्याह के

दिनों में, उसने कैसे अपने आप को छुपा लिया। यीशु के दिनों में, उसने कैसे अपने आप को छिपा लिया। "वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा बनाया गया और संसार ने उसे ना जाना। वह अपनों में आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया।" समझे?

95 वह अपने आपको इस संसार के बुद्धिमानो और समझदारो से छिपा लेता है। आप कहते हैं, "भाई ये डॉक्टर होली फादर *फलां–फलां* है। मैं इसकी चिंता नहीं करता कि वह कौन है, परमेश्वर अपने आपको उससे छुपा लेता है; और वह अपने को बालकों पर प्रगट करेगा, ऐसे ही सीखेगे, देखिए परमेश्वर के बालक पहले ही से ठहराए गए बीज।

96 सोचिए। सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपने वचनों में है, और इस युग के बुद्धिमानो और समझदारो को अंधा कर देता है, और वे उसे नहीं देख सकते। वे सोचते हैं कि यह तो धार्मिक कट्टरवादीयों का झुंड है। उसे देखिए कि वह पेंटीकोस्टल, बैपटिस्टो, मैथोडिस्टो, प्रेसपिटेरियनो से छिपा खड़ा है। अपने आपको खुल्लम–खुल्ला प्रगट करता है, और हर प्रकार की बातें दिखा रहा है, यहां तक कि अखबारों में भी और तरह–तरह से प्रगट है तब भी वह उसे नहीं देख सकते। ओह, हमारा परमेश्वर कितना महान है जिस पर भी वह चाहता है अपने को प्रगट कर रहा है।

97 "ओह," आप कहते हैं, "भाई जोनस या *अमूक–अमूक* भाई, वह—वह महान व्यक्ति है। वह यह देख लेगा।" ओह, नहीं। वह तो जिसको चाहेगा, उस पर प्रगट होगा। कहने को, "मेरी पत्नी यह नहीं देखती और वह एक मसीही स्त्री है।" वह अपने को उसी पर प्रगट करता है जिसको वह चाहता है।"अरे! मेरा पादरी महान व्यक्ति है" यह ठीक है, परंतु वह अपने को उसी पर प्रगट करता है जिसे वह चाहता है। अब, क्या प्रकाशित हुआ है इससे जांचिये कि क्या हो रहा है तब आप... पूरी तरह से समझ जायेगे या समझ सकते हैं।

98 अब हम इस पर ध्यान देते हैं इससे यह पुस्तक परमेश्वर की हो जाती है, ना कि मनुष्य की पुस्तक। यदि यह मनुष्य की थी तो... आइए हम देखें तो यह किस तरह प्रगट होती। देखिए, इसने उनके पाप कैसे प्रगट किए जिन्होंने इसे लिखा, उन व्यक्तियों पर ध्यान दें जो—जो इसके दिनों में जीवित थे।

उदाहरण के लिए, "इब्राहिम" "विश्वासियो का पिता।" देखिए, यह कैसे हो सकता है... क्या आप सोचते हैं कि अब्राहम ने स्वयं यह पुस्तक अपने ऊपर लिखी, अपने ही डरपोक पन्ने पर? आप कैसे सोचते हैं कि उसने लिखा होगा कि उसने राजा से उस प्रातः झूठ बोला, और कहा कि वह उसकी बहन है, जबकि वह उसकी पत्नी थी? क्या वह अपने उस डरपोक वाले कार्य को जो उसने किया लिखेगा? बिल्कुल वह ऐसा नहीं करता।

99 याकूब का अपनी धोखाधड़ी के विषय में क्या है? एक छोटा सा धोखेबाज जो याकूब था। क्या एक—एक—एक इब्रानी पुरुष अपने इब्रानी भाई के लिए लिख रहा है, कि उसमें से होकर पूरा इस्त्राईल बुलाया गया, क्या वह यह लिखने का साहस करेगा उसी राष्ट्र के पिता ने धोखा दिया? याकूब से पूर्वज आए और पूर्वजों से गोत्र आए। और इन सब के नीव के पत्थर को बाईबल ने धोखेबाज दर्शाया। यह ठीक है ना? आप सोचते हैं कि मनुष्य ऐसा लिख सकता था? नहीं, श्रीमान।

100 उस व्यक्ति के लेख के विषय में जिसने महान राजा जैसे उनके पास कभी भी नहीं हुआ, एक ताज वाला राजा; दाऊद, उसके व्यभिचार के विषय में लिखा क्या? वह यहूदी अपने महान राजा के लिए वह व्यभिचारी दशा में है लिख सकते थे?

ओह, हमारे पास ऐसा इतिहास है, कि, "जॉर्ज वाशिंगटन ने कभी भी झूठ नहीं बोला," और इसी तरह की चीजें हैं। हम उसे इतिहास कहते हैं।

परंतु यहां एक व्यक्ति है, बाईबल जो कि दाऊद को "व्यभिचारी," कहती है और वह था। इस्त्राईल का राजा, एक व्यभिचारी जिसका एक पुत्र होना था... यीशु दाऊद का पुत्र होना है। बिल्कुल वही चोटी का पत्थर; और शरीर के अनुसार उसका पिता व्यभिचारी था। यहूदी एसी पुस्तक कभी नहीं लिखते। क्या मनुष्य अपने विषय में ऐसा लिखेगा? बिल्कुल नहीं।

101 उस इस्राएल राष्ट्र का क्या गर्व होगा? आप जानते हैं कि उन्हें कितना गर्व था। इस्राएल का गर्व राष्ट्र, उन्होंने स्वयं अपनी मूर्ति पूजा के विषय में लिखा, अपने ही परमेश्वर के विरोध के विषय में लिखा, उन गंदी और मैली बातों के विरोध में जो उन्होंने की थी उस पुस्तक में लिखा? वे तो उसे अवश्य छिपा लेते। वे तो अच्छी ही बातें लिखते। परंतु, यह बाईबल है, जो कि बताती है क्या सही है और क्या गलत है। यह तो कोई जान सकता है

कि यहूदी ऐसी पुस्तक कभी भी नहीं लिखते, अपनी अशुद्धता, और मूर्ति पूजा और असफलता और हर बात जो उन पर बीती। वे कभी भी ऐसा नहीं लिखते। ओह, नहीं।

तो फिर, किसने यह लिखा? इब्रानियों 1:1 में, बाईबल कहती है, "पूर्व युग में परमेश्वर ने भांति–भांति से हमारे पूर्वजों से भविष्यवक्ताओं द्वारा बातें की।" तो फिर यह भविष्यवक्ता नहीं थे, यह मरणहार नहीं था। "परमेश्वर!" नहीं "थोड़े–थोड़े समय में यह भविष्यवक्ता थे।" परंतु, "परमेश्वर ने, थोड़े–थोड़े समय में, और भांति–भांति करके हमारे पूर्वजों से भविष्यवक्ताओं द्वारा बात की।"

मैंने यहां पर वचन लिख रखा है। मुझे मालूम नहीं कि यह क्या है; मैं आपको उसका हवाला नहीं दे सकता। अक्सर जब मैं इन बातों का उल्लेख करता हूं, तो मैं वचन को देखता हूं। एक मिनट मैं जरा इसे ढूंढ लूं हो सके तो आप मुझे क्षमा करें। यह दूसरा तीमुथियुस 3:16 है। मैंने—मैंने—मैंने सोचा कि मैं याद कर लूंगा, परंतु मुझे खेद है। मैं एक मिनट रुक कर ढूंढ कर आपको बताता हूं कि यह क्या है।

102 "परमेश्वर ने बीते युग में थोड़ा–थोड़ा करके और भांति–भांति से पूर्वजों से भविष्यवक्ताओं द्वारा बात की।"

अब दूसरा तीमुथियुस 3, 3:16। आईए देखें यह 3:16 क्या कहता है।

> *हर एक पवित्रशास्त्र* (जी हां) *परमेश्वर की* (क्या?)... *प्रेरणा से रचा गया है* (भविष्यवक्ताओ की? नहीं।), *और उपदेश, और समझाने और सुधारने,* और *धर्म कि शिक्षा के लिए लाभदायक है:*
>
> *ताकी परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिए तत्पर हो जाए।*

103 ठीक है, तो फिर, सारा पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया। यीशु, ने यहां पृथ्वी पर कहा कि आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे परंतु उसके वचन कभी नहीं टलेंगे। उसने कहा सारा पवित्र शास्त्र पूरा होना ही है। इसलिए यह पुस्तक कोई मनुष्य के द्वारा लिखी हुयी पुस्तक नहीं है। यह पुस्तकें परमेश्वर के लेख है।

104 हम जानते हैं कि परमेश्वर अपनी पहले से ठहराई हुई मनसा के अनुसार अपनी कलीसिया, अपना स्थान, अपना भविष्यवक्ता, और जो कुछ भी है

वह चुनता है। पहले से जाने हुए ज्ञान के अनुसार वह अपना भविष्यवक्ता ठहराता है। और जब वह युग आता है तो उसका भविष्यवक्ता उसी समय पर प्रगट होता है, और उसे प्रेरित करता है कि उसके द्वारा बाईबल लिखे। अब, परमेश्वर ने केवल अपने भविष्यवक्ताओं द्वारा बाईबल लिखी, क्योंकि उसके काम करने कि सही विधी है। इसलिए देखिए यह वह वचन नहीं है... इस प्रकार से, देखिए, यह परमेश्वर का वचन है और ना कि मनुष्य का वचन।

105 परमेश्वर एक व्यक्ति है। परमेश्वर बोल सकता है। परमेश्वर बात कर सकता है। परमेश्वर लिख सकता है। उसने इसको उस तरह से नहीं किया, उसने—उसने अपने कार्य करने का वही तरीका चुना। उसने इसे इस प्रकार नहीं किया, परंतु उसने करने के लिए दूसरा रास्ता चुना। अब आप कहेंगे, "परमेश्वर ने अपनी ऊँगली के द्वारा लिखा, उसने अपनी शानदार ऊँगली से दस आज्ञाये लिखी। इसलिए परमेश्वर स्वयं भी लिख सकता है यदि वह चाहे तो।" समझे? परंतु उसने—उसने भविष्यवक्ता द्वारा लिखने को चुना, देखा। क्योंकि वह उसका गुण था, उसका वचन जो उसने उनके द्वारा प्रगट किया, उसको एक भाग बना दिया, या वह उसका भाग है। समझे? वह अपनी ऊँगली से लिख सकता था। उसने एक बार बाबुल की दीवारों पर भी अपनी ऊँगली से लिखा, "तू तराजू में तौला गया और तौल में हल्का निकला।" उसने अपनी ऊँगली से लिखा।

106 परमेश्वर बात कर सकता है। क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर बात कर सकता है? उसने मूसा से पहाड़ पर, जलती हुई झाड़ी में बात की। आप विश्वास करते हैं? जी हां, श्रीमान। उसने यूहन्ना से पंडुकी के रूप में बातें की, (आप विश्वास करते हैं?) कि, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें में वास करने से प्रसन्न हूं।" उसने उससे बात की। उसने रूपांतर वाले पहाड़ पर पतरस याकूब और यूहन्ना के सामने, यीशु से बातें की। वह बात कर सकता है। वह गूंगा नहीं है। परमेश्वर बात कर सकता है। इसलिए वह रूपांतर वाले पहाड़ पर यीशु से—से बोला। और वह यीशु से बड़ी भीड़ के सामने बोला; जब लोगों ने कहा बादल गरजा, परंतु वह परमेश्वर ही था जो यीशु से बोल रहा था। और लगभग सभी में मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना में यीशु बोल रहा है। वह परमेश्वर है। इसलिए, परमेश्वर बात कर सकता है।

107 एक दिन उसने अपनी ही ऊँगली से रेत पर लिखा। उसने बातें की, उसने प्रचार किया, उसने अपने ही होठों से भविष्यवाणी की, यह परमेश्वर ने किया जब वह शरीर में आकर हमारे बीच में रहा, "परमेश्वर शरीर में प्रगट हुआ।" यदि वह लिख, बोल, सकता है, तो क्या वह दूसरों को यह भी नहीं बता सकता कि क्या करना है? बिल्कुल वह कर सकता है। वह उनसे मनुष्य की आवाज में बोल सकता है। वह लिखकर और उन्हें दिखा सकता है कि क्या करना है। उसने यही किया।

इसलिए, "परमेश्वर ने बीते समयो में थोड़ा–थोड़ा और भांति–भांति तरीके से पूर्वजों से भविष्यवक्ताओं द्वारा बात की।" और उसने अपने लेख के लिए कहा, कि, "एक भी शब्द या छोटा सा निशान भी बिना पूरा हुए नहीं टलेगा," और तब यह प्रगट हो गया। तब यह तो घटित होगा ही, क्योंकि यह प्रगट हो चुका है। यह तो हो ही नहीं सकता, परंतु जब वह वचन स्वयं ही देहधारी हो गया। *जोट* का अर्थ "छोटा शब्द।" *टाइटल* का अर्थ "छोटा निशान।" यहां तक कि एक निशान, एक भाव, कुछ भी परमेश्वर के वचन में असफल नहीं हो सकता। यह असफल नहीं हो सकता, क्योंकि यह परमेश्वर है, परमेश्वर मनुष्य के देह रूप में प्रगट हुआ। क्योंकि यह परमेश्वर स्वयं अक्षरों के रूप में है भविष्यवक्ता के रूप में, देह में प्रगट हुआ।

अब, यही कारण है कि यीशु कह सका, "क्या वह जो तुमसे बोले तुमने उन्हें 'ईश्वर' कहा, कौन तुम से मिश्र के वचन द्वारा," बोला, "और वे ईश्वर थे।" वे भविष्यवक्ता, जब वे परमेश्वर के आत्मा द्वारा अभिषिक्त हुए थे, और वे बिल्कुल सही परमेश्वर का वचन लाए, तब वे ईश्वर थे। वह परमेश्वर का वचन था जो उनके द्वारा बोल रहा था। और...

108 उन्होंने वहीं व्याख्या कि जो लेखक ने उन्हें व्याख्या करने कि अनुमति दी। यदि आप देखना चाहते हैं, तो दूसरा पतरस 1:20 और 21। ठीक है। क्योंकि यह जहां परमेश्वर है... "उसका कोई निजी अनुवाद नहीं है।" वह अपना अनुवाद स्वयं करता है।

परमेश्वर बोलता है और उसका अर्थ बताता है, तब वह जिस पर चाहे उसी पर प्रगट करता है, और सब लोगों से छिपा लेता है। जब तक वही ना चाहे वह प्रगट नहीं करता। और वह नहीं करता... वह, अपनी सारी बात वचन में प्रगट कर चुका, इसलिए सारी बातें पहले ही जता दी गई है; वह

तो वहां बैठा हुआ देख रहा है कि यह घटित हो रहा है। समझे? नहीं। वह तो केवल देह को बनते और उसको उसके दुल्हन के रूप में फिर से बदलते देख रहा है। ठीक है।

109 विश्वास इसका विश्वास करता है जैसा कि इब्राहिम ने यदापि उन वस्तुओ के ना होने पर उसकी आशा की।

110 यह भी कि यह वचन ह्रदय के गुप्त विचारों को भी जांचता है, इब्रानी 4:12। "यह ह्रदय की गुप्त बातों को जांचता है।"

111 भविष्यवक्ता सदैव इसको नहीं समझ सके कि वे क्या लिख रहे थे या वे क्या कह रहे थे, या उन्होंने वही बात नहीं कही जिसको वे समझ सकते थे। समझे? परंतु पवित्र शास्त्र यह कहता है, "वे पवित्र आत्मा के द्वारा ही चलते थे।" चलना! जब पवित्र आत्मा आपको चलाता है, आप चलते हैं। मनुष्य... "परमेश्वर ने बीते हुए समय में बाप दादो से थोड़ा–थोड़ा करके भांति–भांति से भविष्यवक्ताओं के द्वारा बातें की जो कि पवित्र आत्मा द्वारा उभारे जाते थे।" इसी कारण, प्रत्येक युग में आत्मिक लोग भविष्यवक्ताओं से समय और क्या होने को है इस विषय में परामर्श लिया करते थे।

लेखक भविष्यवक्ताओं के लिए अवश्य था कि वे निरंतर लेखक की संगति में रहे। समझे? उसे निरंतर लेखक की ही उपस्थिति में रहना है यह जानने के लिए पुस्तक में अब क्या होने जा रहा है। समझे? लेखक भविष्यवक्ता की कलम हर समय तैयार रहती थी, वह लेखक की संगति में बना रहता था जो कि परमेश्वर था, वह जो भी कहे उसे तुरंत लिख लेता। आप समझे? इस बात को दिखाता था कि उसका जीवन कैसा होना चाहिए... उसका जीवन उसके सब भाइयों से अलग होता था।

112 अब, इसलिए भविष्यवक्ता का ध्यान लगातार परमेश्वर ने क्या कहा है; इस पर लगा रहता था, ना कि इस पर कि मनुष्य के क्या विचार है, ना कि उस काल का क्या विचार है ना कि गिर्जे का क्या विचार है, राज्य का क्या विचार है। परंतु परमेश्वर का क्या विचार है! वह केवल परमेश्वर के विचारों को वचन में प्रगट करता था, क्योंकि वचन ही विचार है जब वह प्रगट किया जाता है। अब आप समझे? वचन ही विचार का प्रगटीकरण है, इसलिए भविष्यवक्ता परमेश्वर के विचारों की प्रतीक्षा करता था। और जब परमेश्वर उस पर अपने विचार प्रगट करता था तो वह इस वचन में प्रगट करता था

"**यहोवा इस प्रकार करता है।**" देखिए, ऐसे नहीं कि, "मैं भविष्यवक्ता इस प्रकार कहता हूं।" "**यहोवा यों कहता है!**" समझे? ठीक है।

113 इसी कारण उन्होंने राज्यों और कलीसियायी कालो को ललकारा, जो कि उनके दिनो में ऐसा करने से मृत्यु दंड मिलता था। कौन राजा के सन्मुख जाकर और उससे कहे, "**यहोवा यो कहता है**, कि *ऐसा–ऐसा* होने जा रहा है," वह तेरा सिर काट देगा। कलीसिया तुझे ऐसा करने के लिए अभी मार देगी। परंतु यह भविष्यवक्ता निडर थे। क्यो? वे पवित्र आत्मा द्वारा उभारे जाते थे, देखिए, इसलिए वे लोग निडर हो जाया करते थे। और उन्होंने परमेश्वर का वो—वो अचूक वचन लिखा।

114 बहुत सारे ऐसे हुए जो कि भविष्यवक्ताओं की नकल उतारते थे, जैसे कि याजक या और दूसरे–दूसरे। उन्होंने क्या किया? बस यही कि सब कुछ गड़बड़ कर दिया। वे उनकी तरह नहीं कर सके।

क्योंकि परमेश्वर उस युग के लिए मनुष्य को चुन चुका होता है, और सन्देश को चुना हुआ होता है, और यहां तक कि उसका स्वभाव भी उस युग में क्या होगा और वह क्या कहेगा, वह उस व्यक्ति विशेष के स्वभाव के साथ कैसे करता है, वह दूसरों कि आंखों को अंधा कर देता है। वे वचन जो कि वह व्यक्ति कहेगा वह इस तरह करता है, जो कि दूसरों को अंधा कर देता है और कुछ कि आंखें खोल देता है। देखा? वह उस व्यक्ति को ऐसी वेशभूषा पहनाता है जो वह था; उसका स्वभाव उसकी इच्छा और हर चीज जिस तरह कि होनी चाहिए, बिल्कुल सही उन लोगों के लिए तैयार करता है जिनको वह उस विशेष युग के लिए बुलाता है।

जबकि, वहां पर दूसरे खड़े हुए उसकी ओर देख कर कहते है कि, "भाई, मैं तो नहीं देख सकता। वहां... मैं—मैं तो नहीं देख सकता।" वे अंधे पर दिए गए थे।

115 और ऐसी ही वेशभूषा में यीशु आया, अविनाशी परमेश्वर ने मनुष्य की देह पहन ली। और क्योंकि वह चरनी में पैदा हुआ घुड़साल में जो कि गोबर भरी थी, उसके पास सिर रखने को स्थान नहीं था; उसके जन्म के साथ यह बात लगी हुई थी कि यह अवैध संतान है। समझे? और यह सब बातें कि कैसे वह बढ़ई का पुत्र जिसने कभी शिक्षा ना पाई कैसे हो सकता है, जो कि वह था।

इस संसार की थोड़ी या अधिक सांसारिक बुद्धि से उसे कुछ लेना–देना नहीं था। इस संसार की कोई भी सभ्यता शिक्षा या कुछ भी उसका इनसे कुछ भी लेना देना नहीं था। क्यों? वह परमेश्वर था। वह उससे विरोध करेगी। यदि वह कहीं धर्मिक शिक्षा विद्यालय में जाने का प्रयत्न करता और उन बातों को सिखाता जो संसार कि कलिसियाये कर रही थी... क्यों, तो क्या होता वह तो किसी भी कीमत पर उसके साथ उसकी समझ से मेल नहीं... नहीं खा सकती थी, क्योंकि वह परमेश्वर था।

इसलिए शिक्षा, विद्यालय, धार्मिक शिक्षा और चीजें या परमेश्वर के इच्छा के बिल्कुल विपरीत है। सारी शिक्षा पद्धति परमेश्वर के विपरीत है। हर शिक्षा परमेश्वर से दूर ले जाने के लिए, हर समय शिक्षित करती है। जब मैं सुनता हूं कि अमूक–अमूक व्यक्ति पीएच.डी, एल.एल.क्यू., है तो मुझे ऐसा लगता है कि इससे यह परमेश्वर से बहुत दूर हो गया है। समझे? उसने अपने को शिक्षित करके परमेश्वर से उतना ही दूर कर लिया जहां के लिए उसे विशेषताएं कार्य के लिए गया था। यह ठीक बात है।

अब ध्यान दें कि वे किस प्रकार से पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाते थे।

116 अब इसका अर्थ यह नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति अंदर नही आ सकता। पौलूस को देखिए। मैं नहीं समझता कि उन दिनों में पौलुस से अधिक कोई तीक्ष्ण बुद्धि वाला व्यक्ति होगा, जो कि तारसुस का शाऊल था। उसने गेमलियेल के आधीन शिक्षा पाई थी, जो उस समय का एक महान विद्वान; पक्का इस्राएली नामधारी गिर्जे का फरीसी। और उसकी देखरेख में पौलुस की बढ़ोतरी हुई। वह सारे यहूदी धर्म को जानता था। परंतु जब वह कलीसिया के पास आता है, तो उसने कहा कि, "मैं तुम्हारे पास मनुष्य के ज्ञान साथ नहीं आया, और वगैरा–वगैरा। क्योंकि, यदि मैं आता, तो तुम उसी में विश्वास करते। परंतु मैं तुम्हारे पास पवित्र आत्मा की सामर्थ के प्रमाण के साथ आया, ताकि तुम्हारा विश्वास परमेश्वर में हो।" और आप यहां है। समझे? यह ठीक बात है।

117 इन लोगों कि बहुतो ने नकल करनी चाही, परंतु उन्होंने सब गड़बड़ कर दिया जैसा कि आज कल वे करते हैं। यीशु के समय से पहले एक उठा और चार सौ लोगों को भटका ले गया। आप जानते हैं कि इनके विषय में पवित्र शास्त्र बताता है, उन्होंने समय से पहले कार्य करने का यत्न किया। और बहुत सो ने उसकी नकल करनी चाही और वे सब *यह, वह* या कुछ

और थे। और उसने कहा, "कि अंत के दिनों में कैसे झूठे मसीही उठ खड़े होंगे, और झूठे भविष्यवक्ता, और चिन्ह और आश्चर्य कर्म दिखायेगे।" हमारे यहां वह सब है। देखा? परंतु वह सच्चे के सामने चल नहीं पाता। वह केवल उसे अधिक चमकदार बनाता है, क्योंकि हमारे पास सच्चा मसीहा है, झूठा वाला नहीं।

118 अब हम यह अनुभव करते हैं कि परमेश्वर अपने भविष्यवक्ताओं को भेजता है। उसकी यही विधी है कि वह अपना वचन अपने भविष्यवक्ता के होठो के द्वारा लोगों तक लाता है।

और ध्यान दें, आप जानते हैं कि, मूसा ने कहा, यदि आप निर्गमन का 4था अध्याय और 10वे और 12वे पद को पढ़ना चाहे। मूसा ने कहा परमेश्वर उससे बोला। परमेश्वर मनुष्य से होठो से कान में बात करता है। और उसने कहा, "मैं बोलने में निपुण नहीं," मूसा ने कहा, "मैं योग्य नहीं हूं। मैं—मैं नहीं जा सकता।"

119 उसने कहा, "किसने मनुष्य को बोलने वाला या गूंगा बनाया? किसने उसे देखने वाला बनाया, या किसने उसे सुनने वाला बनाया? क्या मैं ही प्रभु नहीं?" उसने कहा, "मैं तेरे मुंख के साथ होऊंगा।" समझे? इसलिए...

120 और यर्मयाह ने कहा यदि आप इसे यर्मयाह 1:6 में पढना चाहे। यर्मयाह ने कहा, "परमेश्वर मेरे मुह में वचन डाल।" समझे? वह—वह होठो से कान कान में बोला, एक भविष्यवक्ता के साथ; और दूसरे भविष्यवक्ता के द्वारा बोला, और वह अपने नियंत्रण में नहीं था, और परमेश्वर उसके होठों के द्वारा बोला।

121 और वह अपने वचन को बुलवाना जानता है, आप जानते हैं। जी हां, श्रीमान। इसलिए आप देखते हैं कि बाईबल परमेश्वर का वचन है ना कि मनुष्य का वचन।

मूसा ने कहा, "परमेश्वर मुझ से आवाज के साथ बोला, और मैंने उसे सुना, जो उसने कहा मैंने लिख दिया।"

122 यर्मयाह ने कहा, "मैं बिल्कुल भी नहीं बोल सकता। और पहली चीज आप जानते हैं मेरे होठ बोल रहे थे और—और—और मैं लिख रहा था।" परमेश्वर उसके होठों के द्वारा बोला, और वह घटित हो गया।

डेनियल, यशायाह और जो भी थे, वह सब भविष्यवक्ता इसी तरह से थे।

123 आप जानते हैं कि केवल पुराने नियम में दो हजार बार से अधिक उन भविष्यवक्ताओ ने **यहोवा यों कहता है**। अब यदि मनुष्य कहता है कि **यहोवा यो कहता है**, तो मनुष्य नहीं बोल रहा है। यदि वह भविष्यवक्ता नहीं है तो वह ढोंगी है, देखा क्योंकि वैसा (कभी भी) नहीं होगा; एक लाख बार में से एक बार हो सकता है कि वह अनुमान लगा ले। परंतु यदि यह **यहोवा यों कहता है** और प्रभु परमेश्वर ने यह कहा है।

यदि मैं कहूं, "ओरमेन नेविल यो कहता है,"; मेरे भाई, "श्रीमान मन इस प्रकार कहता है"; मैं यह कहूंगा, "मेरा भाई वायल इस प्रकार कहता है," इनमें से या उनमें से कोई भी भाई, आप में से कोई भी; मैं वह बोल रहा हूं जो आपने कहा है। यदि मैं सच्चा हूं, तो मैं वही कह रहा हूं जो आपने कहा है।

और यह लोग भविष्यवक्ता होने के नाते कहते हैं, "यह मैं नहीं हूं। मेरा इससे कुछ मतलब नहीं है, परंतु यह **यहोवा यों कहता है**, है।" इसलिए बाईबल भविष्यवक्ताओं द्वारा **यहोवा यों कहता है,** है।

124 ध्यान दें उन्होंने मसीह का आत्मा अपने ऊपर ले लिया, और आने वाली घटनाओं को जो होने वाली थी पहले से बता दिया। आने वाली बात को बताने के विषय में! उन्होंने बताया कि आने वाले युगों में क्या होगा, जैसा कि वह मसीह की आत्मा में बैठते खड़े होते, लेटते, चलते, वह आत्मा उन पर इतना होता था कि वह मसीह की तरह आचरण करते थे। और पढ़ने वाला इसे पढेगा और सोचता है कि भविष्यवक्ता अपने से कह रहा था।

आपको याद है जब खोजा यशायाह 53:1 पढ़ रहा था, इस विषय में, कि किस प्रकार से, "वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया, हमारी शांति के लिए उस पर ताड़ना पडी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाए"? खोजे ने फिलिपुस से कहा कि, "भविष्यवक्ता यह अपने विषय में बोल रहा है या किसी और व्यक्ति के विषय में?" देखिए, भविष्यवक्ता ऐसे बोला जैसे वह स्वयं था।

125 दाऊद को देखिए वह आत्मा में रोता है, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? मेरी हड्डियां, वह मेरी ओर घूरते है, मेरी ओर," दाऊद कहता है। "उन्होंने मेरे पैरों और हाथों को छेद दिया है," दाऊद। "उन्होंने मेरे पैरों और हाथों को छेद दिया है। परंतु तू मेरे प्राण को अधोलोक में नहीं छोड़ेगा, ना ही तू अपने पवित्र जन को सड़ने देगा," जैसे कि दाऊद अपने ही विषय में पवित्र होने के नाते बोल रहा हो। यह दाऊद का पुत्र था, जिसने कि आत्मिक बीज को अंकुरित किया जो कि आने वाला था। यद्यपि दाऊद अपने में जंगली बीज था, परंतु उसके अंदर गेहूं का बीज था। आप समझे यह?

इसलिए संपूर्ण बाईबल, यह मनुष्य का वचन नहीं है ना ही यह मनुष्य के द्वारा लिखा गया, लाया गया, या ना ही यह मनुष्य के द्वारा प्रकाशित किया जा—जा सकता था। यह परमेश्वर का वचन स्वयं परमेश्वर द्वारा प्रकाशित किया गया, जो कि स्वयं उसकी व्याख्या करता है, मसीह स्वयं अपने को अपने वचन में प्रकाशित कर रहा है।

126 मसीह को देखिए जो पीछे दाऊद में है। दाऊद अब सोच भी नहीं सकता। जैसा कि था उसके विचार अब अपने आपे में नहीं है। और वह क्रूस पर लटका हुआ था जैसा कि आप यहां इस मूरत में देखते हैं; क्रूस पर लटके हुए वह चिल्लाता है, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया? मेरी सारी हड्डियां, वे मेरी ओर घूरते हैं। उन्होंने मेरे हाथ और पांव छेद दिए है। उन्होंने मेरी पसली को छेद दिया है।" देखा? तू क्यों मुझ से दूर है? बाशान के सारे सांडो ने मुझे घेर लिया है। वे सिर हिलाते हुए कहते हैं, 'इसने परमेश्वर पर विश्वास किया कि वह उसे छुडायेगा; अब हम देखें यदि वह इसे छुड़ाये,'" बिल्कुल वही शब्द बोल रहे हैं।

इसलिए आप देखें जब परमेश्वर इस पृथ्वी पर प्रगट हुआ, उसने वही शब्द बोले जो दाऊद ने कहे। समझे आप? इसलिए देखिए यह मनुष्य का वचन नहीं है; यह परमेश्वर का वचन है। यह परमेश्वर दाऊद में था; वह दाऊद नहीं था। वह नहीं जानता था कि वह क्या बोल रहा है; वह आत्मा में इतना आ गया था।

इसी प्रकार से मूसा भी था। वह आत्मा में इतना आ जाता था कि जिस विस्तार में वह रहता था उससे आगे निकल जाता था, और वह उस जलती झाड़ी के सामने खड़ा, परमेश्वर से—से—से ही बातें कर रहा

था। उसने कहा, "अपने जूते उतार। जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र स्थान है।"

मैं कल्पना करता हूं जब वहां से चला आया, तो उसने सोचा, "यह क्या हुआ? क्या घटित हुआ? यह क्या था? "

उसने कहा, "तू मिस्त्र को जो मैं तेरे साथ होऊंगा।"

उसने कहा, "यह तो मेरे लिए वास्तविक है, मुझे जाना चाहिए।" उसने अपनी पत्नी और अपने बच्चों को लिया... और—और याने कि अपने बच्चे को लिया, और अपनी छड़ी हाथ में लेकर, और लोगों को छुड़ाने के लिए मिस्त्र को चला गया। देखा?

127 परमेश्वर स्वयं भविष्यवक्ता के द्वारा बोल रहा है। देखिए वे, वे सच में... वह भविष्यवक्ता नहीं है, वह परमेश्वर था। क्योंकि भविष्यवक्ता स्वयं उन बातों को नहीं कर सकते थे।

"किसने हमारी बातों को किस ने विश्वास किया"? आप देखिए, यशायाह यह कहता है। "मारी बातों का किसने विश्वास किया? किस पर यहोवा का भुजबल प्रगट हुआ? वह घुड़साल में—में हमारे सामने बछड़े कि तरह बड़ा हुआ होगा। और अब वह कैसे हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया था, हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया, हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी; उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए थे।" हम पहले ही इस युग में चंगे हो गए थे; और यशायाह, मसीह से आठ सौ वर्ष पहले दृष्टिगोचर हुआ। समझे? "उसके कोड़े खाने के द्वारा हम," भूतकाल, पहले ही, "चंगे हो गए थे।" ओह, प्रभु!

परमेश्वर का वचन कितना सिद्ध है! लोगों इसमें विश्वास कर लो। केवल यही तुम्हें बचा सकता है।

128 सारे दूसरे वचन, मैं चिंता नहीं करता कि वह तरह लिखे हैं, कैसे और किसके द्वारा आए हैं, किस नामधारी गिर्जे से आए हैं, या वह मनुष्य कितनी तीव्र बुद्धि का है, कोई भी चीज जो वचन विरोधी है, मैं उसकी परवाह नहीं करता। यदि आप यह लेख नोट करना चाहते हैं, तो गलतियों 1:8 है। समझे? पौलुस ने कहा, "यदपि हम, या कोई स्वर्गदूत भी स्वर्ग से, कोई और समाचार सुनाएं, उसे छोड़ जो तुम पहले सुन चुके हो तो वह श्रापित है।"

दूसरे शब्दों में, यदि कोई स्वर्गदूत स्वर्ग से आपके पास आए और एक चमकदार ज्योतिमय स्वर्गदूत, और आकर खड़ा हो जाए; बालक, यह इन दिनों में मछली के कांटे के समान होगा क्या नहीं होगा? एक चमकदार स्वर्गदूत आकर यहां खड़ा हो जाए, और वचन विरोधी बातें कहे; आप कहिए, "शैतान, मुझसे दूर हो।" यह ठीक बात है। यदि वह बिशप हो, यदि वह... चाहे जो भी हो, आप कभी उसका विश्वास ना कीजिए यदि वह बाईबल के साथ शब्द दर शब्द नहीं बोलता। उसका ध्यान रखिए वह आपको अभीलो बाईबल के साथ ले चलेगा। तब वह आपको लेकर एक स्थान पर आ जाएगा, और तब वह आपको वही फंसा रोक देगा। जब आप देखे कि बाईबल एक बात कह रही है और वह उसे छोड़ता हुआ, आगे बढ़े, वही उसे देखें।

देखिए उसने हवा के साथ भी ऐसे ही किया गया। वह आया और हर बात को वैसे ही ठीक कहा। "देखो, परमेश्वर ने *यह* कहा।"

"यह ठीक है, हवा ने कहा। आमीन। हम दोनों एक सा यही विश्वास करते है।"

"देखिए, परमेश्वर ने *यह* कहा।"

"आमीन। हम एक साथ यही विश्वास करते है।"

"परमेश्वर ने *यह* कहा।"

"हम इसका पक्का विश्वास करते है।"

"भाई, लेकिन परमेश्वर ने कहा हम मर जाएंगे।"

129 "अरे, अब, आप जानते हैं वह एक अच्छा परमेश्वर है।" उसने नहीं कहा, वह नहीं करेगा, आप जानते हैं। "परंतु निश्चय ही... " ओह! वह यही है।

और यदि वह इस प्रकार का धोखेबाज था, और बाईबल ने कहा कि, "अंत के दिनों में वह, यदि हो सकेगा तो चुने हुओं को भी धोखा दे देगा," मित्रों, हमें आज कहां होना चाहिए? अब, सन्डे स्कूल के छोटे–छोटे पाठ बिल्कुल हमारे ह्रदयो के पास रहने चाहिए, इसे देखने के लिए... हमें इन बातों को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए और देखिए कि यह चीज कितनी धोखेबाज है।

130 ध्यान दें, हम किसी मनुष्य के वचन ना सुन सकते हैं, ना ही सुनने चाहिए। हम परवाह नहीं करते कि वह कितना बुद्धिमान और कितना शिक्षित है। बाईबल नीतिवचन में कहती है, "हमें अपने तर्क छोड़ देने चाहिए।" देखिए? अब, यहां इस दूसरे क्षेत्र में...

आपकी इंद्रियो का पहला क्षेत्र देखना, चखना, छूना, सूघना और सुनना। यह हमारे शरीर के बाहरी भाग में है।

और अंदर वाले देह में जो कि आत्मा है तर्क–वितर्क और विचार और वगैरा–वगैरा है। हमें वह सब छोड़ देना चाहिए। तर्क वितर्क नहीं कर सकते, जैसे कि, "ज़रा ठहरिये, यदि परमेश्वर भला परमेश्वर है... " और हमें आज तक यही बताया गया है कि वह है। "यदि वह भला परमेश्वर है, और तब यदि मैं सच्चा हूं, यदपि मैं बाईबल में नहीं देख सकता कि यह ठीक है, जबकी वह है, यदपि मैं सच्चा हूं, मैं बचा लिया जाऊंगा।" आप नष्ट हो जाओगे। [टेप पर खाली जगह—सम्पा।]

131 "यदि मैं गिर्जे जाता हूं और उन्हीं बातों को करता हूं जिन्हें मैं विश्वास करता हूं कि यह ठीक है, और उन्हीं बातों को पकड़े रहता हूं जिन्हें मैं सोचता हूं कि यही ठीक है, भाई मैं... " आप अब भी बर्बाद है।

"ऐसा भी मार्ग है जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है, परंतु उसके अंत में मृत्यु ही मिलती है।" देखा? आप बच नहीं पायेगे, आप नष्ट हो जायेगे। समझे? देखा? वह मनुष्य के अंदर होना चाहिए जो नियंत्रण रखता है।

132 "भाई, भाई ब्रन्हम मैंने अन्य भाषाये बोली है भाई ब्रन्हम। भाई ब्रन्हम, क्या आप अन्य भाषा बोलने में विश्वास नहीं रखते? " बिल्कुल। "देखिए, मैं चिल्लाया; क्या आप यह विश्वास नहीं करते? " जी हां, श्रीमान। "मैं एक अच्छा मसीही जीवन व्यतीत करता हूं। क्या आप यह विश्वास नहीं करते? " जी हां, श्रीमान। परन्तु अब भी इसका आप यह नही कि आप बच गये। आप एक अच्छे व्यक्ति हैं, साफ आचरण वाले पवित्र अच्छे व्यक्ति।

इसी प्रकार वह याजक भी थे, ह्रदय से धार्मिक थे, इतने धार्मिक कि वे गलत अर्थ लगाये तो उन्हें पत्थरवाह कर दिया जाये। परमेश्वर के वचन के साथ खिलवाड़ करने पर मृत्यू दंड मिलता था।

133 आज हमारे राष्ट्र के साथ यही मामला है।। इस पृथ्वी पर बीच में बहुत सी कमियों का कारण यह है कि कठोर दंड नहीं है। यदि कोई मनुष्य किसी और की पत्नी के साथ भाग जाए, तो उन्हें जनता के सामने लाकर और

सबके सामने बधिया को छोड़ देना चाहिए। यह ठीक बात है। यदि कोई व्यक्ति कुछ करते हुआ पकड़ा जाए, सड़क पर तेज गति से वाहन चला रहा हो, उसे दस वर्ष से कम दंड नहीं होना चाहिए वह... पूर्वयोजित हत्यारा है। समझे? आप इस तरह के दंड रखेंगे, तो आप उन्हें दबा पायेगे।

परंतु जब कोई भ्रष्ट राजनीतिज्ञ *इसको* सुन कर टालते हुए, कहता है, "उसने जरा पी रखी थी, वह था... परंतु उस यह जानकर नहीं किया।" और वह एक व्यक्ति, पत्नी और सारे भोले भाले बच्चों को मार डालता है, बस की तरह से यह आवारा बस जाए, वह यह राजनीति है। यह संसार है। यह शैतान है।

134 परमेश्वर ने कहा यदि कोई पुरुष या स्त्री व्यभिचार में पकड़े जाएं, उन्हें बाहर लेकर पत्थरवाह कर दो। बस। देखा? यदि कोई सब्त के दिन लकड़ियों के गठ्ठे का भार उठाये सब्त के दिन, "उसे ले लो और पत्थरवाह कर दो।" तब वह इसके द्वारा जीवित रहे। और अब हमारे यहां आज ऐसी व्यवस्था नहीं है।

परंतु मसीही, वह कलीसिया, जिससे मैं आज प्रातः बात कर रहा हूं, परमेश्वर की व्यवस्था उनके ह्रदय में है। समझे? आपके अंदर ऐसा करने की इच्छा ही नहीं है, यहां अंदर की ओर आप परमेश्वर की व्यवस्था को पूरी तरह से मानना चाहते हैं। इससे कोई मतलब नहीं कि वह क्या है आप वही होना चाहते हैं जो कि... यदि—यदि परमेश्वर को दरवाजे के पांवदान की आवश्यकता हो, वह आपको चाहता हो कि आप दरवाजे का पांवदान बने तो आप वह बनने के लिए प्रसन्न होंगे। इसका कोई मतलब नहीं कि क्या होगा, आप पांवदान बनना चाहेंगे। समझे? परमेश्वर आपसे जो भी करवाना चाहे आप वही करना चाहते हैं, क्योंकि वह परमेश्वर है। अब, यहां इस प्रकार आप सच में सही सच्चा प्रेम परमेश्वर से कर पायेगे।

135 अब हम यह पाते हैं कि, "स्वर्गदूत, उसको छोड़ कुछ और प्रचारे," जो पहले से आ चुका है, जो बाईबल में पहले से ना कहा गया हो, "तो वह श्रापित हो।" कोई भी इसको नहीं कर सकता; यह तो वैसे ही होना चाहिए जैसा कहा है।

136 और प्रकाशितवाक्य 22:18 और 19 में हम फिर पढ़ते है, "यदि कोई मनुष्य इसमें एक भी शब्द बढ़ायेगा, या इसमें से एक भी शब्द घटायेगा तो परमेश्वर जीवन की पुस्तक में से उसका भाग निकाल देगा।" ठीक है।

परमेश्वर उसका भाग निकाल देगा, यदपि वह सेवक भी हो, वह जो भी हो, और उसका वचन... उसका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा है। परमेश्वर ने कहा, "मैं उसका नाम वहां से मिटा दूंगा," यह ठीक बात है, "यदि वह इसमें एक भी शब्द इसमें मिलाता है, या एक भी शब्द इसमें से निकालता है।" इस प्रकार से अचूक परमेश्वर ने अपना वचन बनाया है। देखा? आप कलीसिया में मिला सकते है, या कलीसिया में से निकाल सकते है। वचन में कुछ ना मिलाए, या उसमें से निकाले क्योंकि परमेश्वर आपका नाम जीवन कि पुस्तक में से निकाल देगा। और तब आप समाप्त हो गए। समझे? आप इसमें नहीं मिला सकते, या इसमें से निकाल सकते हैं। यह वैसा ही रहेगा जैसा है...

137 इसमें व्याख्या की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि बाईबल ने कहा कि परमेश्वर स्वयं बाईबल कि व्याख्या करता है। पतरस ने कहा, "इसकी कोई व्यक्तिगत व्याख्या नहीं होती।" ठीक है।

138 और सारा पवित्र शास्त्र दिव्य रूप से किया गया है, दिव्य रूप से ही क्रम बद्ध किया गया है। और सारा का सारा यीशु मसीह का प्रकाशन है। जबकि नया और पुराना नियम दोनों उसके आने के लिए पहले से बताते हैं, कि जब वह यहां आएगा तो क्या करेगा और आने वाले युग में वह क्या करेगा। इसलिए इस प्रकार से वह कल, आज और सर्वदा एक सा हो जाता है। समझे?

जैसा कि इब्रानियों में पौलूस ने लिखा है। वह परमेश्वर है, "बीते कल का यीशु मसीह," पुराने नियम वाला। वह "आज का यीशु मसीह," देह में प्रगट हुआ। "और वो सदैव का यीशु मसीह," आत्मा में है, "आने वाला।" समझे? समझे? "कल, आज, और सदैव एक सा है।"

और वह अपने वचन को जीवित रखने के लिए सदा जीवित है जो भी उसने कहा है वही उस युग में होगा। वह जीवित है।

139 वह पुराने नियम में जीवित था, और प्रगट हुआ। मैं आपको यहां एक छोटी सी चीज दिखाना चाहता हूं, यदि आप समझ सके। ध्यान दीजिए, जब यीशु पुराने नियम में प्रगट हुआ, जैसा की हम इसका विश्वास करते हैं।

आप प्रचारक लोग, आप जो है इस पर वाद विवाद कर सकते हैं, आप जो चाहे करें परंतु मैं अपने के लिए कह रहा हूं... जैसा कि मैं सोचता हूं। देखा?

140 जब यीशु पुराने नियम में थिओंफनी में एक व्यक्ति मलकीसदेक में प्रगट हुआ; याजक पद में नहीं परंतु एक व्यक्ति, एक पुरुष। समझे? क्योंकि इस मनुष्य ने अभी तक जन्म नहीं लिया था, परंतु वह थिओंफनी में था, इसलिए उसके ना पिता था ना माता। वह स्वयं परमेश्वर था। वह एक मनुष्य के रूप में प्रगट हुआ और, "शालेम का राजा कहलाया जो कि शांति का राजा है और धर्म का राजा है।" देखा? वह मलकिसदेक था। "उसके ना पिता और ना माता और ना ही दिनों का आरंभ या जीवन का अंत है।" देखा? यह यीशु थिओंफनी में था, एक मनुष्य के रूप में। क्या आप समझ पा रहे हैं? ठीक है।

141 तब वह सही में मनुष्य की देह बन गया था, और हमारे बीच डेरा किया, स्वयं एक व्यक्ति यीशु मसीह जो कि कुंवारी मरियम से जन्मा। वह इस रूप में आया ताकि वह मर सके, और वापस स्वर्ग चला गया।

अब इन अंतिम दिनों में, उसने अपने आपको पूर्ण रूप से प्रगट करने कि फिर प्रतिज्ञा की उसकी देह और आत्मा में।समझे? "क्योंकि जैसा सादोम के दिनों में था, उसी तरह मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" अब सादोम को देखें, वह कैसा था उसमें क्या हुआ। और यीशु मसीह जैसा कि आजकल अपनी कलीसिया में एक देह के रूप में प्रगट हो रहा है, देखा, वही बातें वही काम वही चीजे जो उसने सारे समय पहले किया कभी नहीं बदलता, वह जो अनंत है। समझे? और आज पृथ्वी पर अपने आप को मनुष्य शरीरो द्वारा प्रकट कर रहा है, हम शारीरिक मनुष्यो को जिनको उसने बुलाया, और वही कार्य किए वही बातें जो उसने बीते हुए समय में की, और अपनी देह के दिनों में जब वह पृथ्वी पर था। और आज भी वही कार्य कर रहा है क्योंकि, "परमेश्वर ने बापदादो से थोड़ा–थोड़ा करके भांति–भांति से भविष्यवक्ताओं के द्वारा बातें करके, इन दिनों के अंत में हम से अपने पुत्र यीशु मसीह के द्वारा बातें की।" देखा, अंत के दिनों में पुत्र प्रकाशित हो रहा है, परमेश्वर मनुष्य की देह में प्रगट हुआ, सादोम के नष्ट होने के थोड़ा सा पहले आया, अन्यजातियों के संसार के अंत। आप यह देखते हैं?

यहां तीन प्रगटीकरण है।

142 अब जो अगली बात होती है, जब वह सब को एक व्यक्ति में जमा कर लेता है, यीशु मसीह, दुल्हन और देह, प्रभु यीशु के शारीरिक आगमन पर।

अपने तीन बार को पूरा करेगा... जब वह पृथ्वी लाया गया मारा गया, क्रूस पर चढ़ाया गया, जीवित हो उठा। अपने आप को अपने शारीरिक रूप में प्रगट किया जो कि उसकी दुल्हन है, वह स्त्री। अब समझे आप? वह उसके शरीर का भाग है।

और स्त्री और पुरुष परस्पर इतने मिल जाते हैं, जब तक कि लगभग वे... वे एक समान हो जाते हैं। जैसे भी हो उन्हें होना ही चाहिए। यहां वे है, देखिए, वे बिल्कुल उसी प्रकार प्रगट हुए हैं। वह उसका भाग है, क्योंकि वह उसी में से निकाली गई है।

और आज दुल्हन मसीह की देह में से निकाली गई है, जो कि वही आचरण और कार्य कर रही है जो कि उसने इस दिन के लिए कहा कि वह करेगी, वह दुल्हन, वह रानी; राजा और रानी। ठीक है।

अब हमें देर हो रही है, इसलिए हम जल्दी करने जा रहे हैं और पूरा।

143 ठीक है, संपूर्ण बाईबल यीशु मसीह का पूर्ण प्रकाशन है, और उसको हर युग में प्रगट करता है। उसने अपने को लूथर के दिनों में प्रगट किया, एक नेव की तरह, एक कलीसिया, पांव, टांगे।

जिस प्रकार कि उसने राजा नबुकदनजर से किया, आपको याद है उसने कैसे वे स्वप्न देखे और सिर से पांव की ओर नीचे आया? समझे? अब वह पैरों से ऊपर आ रहा है। समझे? बाबुल के राज्य में उसने पुराने नियम को दिखाया, वह सिर से नीचे को आया, वह जब तक नहीं आया जब तक परमेश्वर स्वयं उस सीढि के पैरों तक आकर देह ना बन गया। अब इस नये नियम में, वह अपने को फिर से वापस ला रहा है, सिर की ओर फिर से, वह सोने का सिर जिसको ताज पहनाना है। समझे? देखिए। यह समझ गए?

देखिए, परमेश्वर आरंभ में था, और वह भविष्यवक्ताओ द्वारा होता हुआ, नीचे आया और इतने नीचे आया, जब तक कि परमेश्वर स्वयं मनुष्य की तरह नहीं बन गया, सीढ़ी के नीचे के पैरों तक, एक बालक गौशाला में जन्मा। उससे घृणा की गई, अस्वीकार किया गया, तिस्कृत किया गया और बदनाम किया गया, वगैरा–वगैरा वह था। तब वह उठना आरंभ हुआ, देखिए, और फिर पांव से उसने कलीसिया बनानी आरंभ की वह दुल्हन, वापस, और वापस आ रही है; और अब चोटी के पत्थर में आ

रही है, जहां पर जुड़ती है और एक महान यीशु मसीह की देह का स्वरूप बन जाती है।

144 परमेश्वर अपने वचन की प्रतिज्ञा के द्वारा हर युग में उस युग के लिए प्रगट हुआ। अब आइए हम देखें उसकी कुछ प्रतिज्ञाओ को जो उसने आज के लिए की है, इन अंतिम शब्दों के साथ, जब हम इसे समाप्त करने जा रहे हैं।

145 अब परमेश्वर स्वयं को सांझ के लिए उजियाले के समय प्रगट कर रहा है। अब आईये हम देखें। हम देखते है...

146 मैंने यहां पर बहुत से हवाले लिख रखे हैं। जैसा कि आप इस पन्ने पर देख सकते हैं, कि कितने हवाले लिखे हुए हैं। परंतु अभी बारह बजने में हमारे पास पन्द्रह मिनट है। मैं जाना चाहता हूं। आज प्रातः बोलते हुए मेरा गला नहीं खरखराया। कभी–कभी यह एयर कंडीशन मेरे गले को सच में ही खरखरा देते हैं।

इसलिए यदि भाई नहीं... आज रात के लिए आपके पास तो कुछ नहीं है? [भाई नेविल कहते हैं, "नहीं"—सम्पा।] ठीक है मैं करूंगा... यदि यह ठीक रहा मेरे पास कुछ है। उस दिन जंगल में मुझे एक सिगरेट का पैकेट मिला; और मुझे सिगरेट के पैकेट पर से एक संदेश आज रात के लिए मिला है, प्रभु की इच्छा हुई। समझे?

इसलिए मेरे पास कुछ पढ़ है। मैं अधिक समय नहीं लेना चाहता, इसलिए कि आप वापस हो सके।

147 एक सिगरेट की डब्बी बोल रही है। ठीक है। मैं जंगल में घुसा ही था और वहां सिगरेट की डब्बी पड़ी थी, और मैं बस अपने ही रास्ते चला गया। मैंने सोचा कि, "भाई, कोई मेरे आगे है।"

किसी चीज ने कहा, "वापस जाओ और उसे उठा लो।"

मैंने सोचा, "सिगरेट की डब्बी उठा लू? नहीं मैं नहीं।"

किसी चीज ने कहा, "वापस जाओ और उस सिगरेट की डब्बी को उठा लो।"

और मैं वहां गया वहां एक पुरानी खाली डिब्बी थी, और मैंने कुछ देखा। आज रात मैं उसके विषय में आपको बताऊंगा प्रभु ने चाहा तो। ठीक है।

148 अब हम थोड़ी देर के लिए सांझ के उजियाले के विषय में बोलने जा रहे हैं। बाईबल यह भविष्यवाणी करती है कि अंत में एक समय आएगा, कि सूर्य निकलेगा, और तब सांझ का उजियाला होगा। हम सब यह जानते हैं। क्या हम नहीं जानते? हम... हम लोग हम जो अपने आज के इस सन्देश से जो प्रभु यीशु ने दिया है परिचित है, हम यह विश्वास करते हैं कि सांझ का उजियाला होगा। और यह सांझ का उजियाला...

सच में एक महान उजियाला आएगा जब यीशु स्वयं इस पृथ्वी पर प्रगट होगा या स्वर्गो में, जब वह अपनी दुल्हन को ले जाएगा और तब सहस्त्रशताब्दी आरंभ होगा।

149 परंतु हमारे सामने एक बहुत ही भयानक समय है, जिसमें होकर निकलना है जो कभी भी मनुष्य जाति के सामने नहीं आया। और मैं उसी घड़ी की प्रतिज्ञा कर रहा हूं, और जब भी हमसे हो सकेगा... हर एक को यह अवसर मिल सकता है कि जब आप अपने कार्य से हटकर और कुछ दिन कहीं बिताये, और हम कहीं तो बैठ सकते है जहां मैं उन विपत्तियों और उन बातों पर जो अन्त दिनों में होने वाली है, बोलूं; और इस पर लगभग दो–तीन सप्ताह लगायेगे, और उनको एक साथ इकट्ठा करके, यदि प्रभु ने मुझे यह करने के लिए जीवन दिया और मुझे यह करने कि प्रेरणा दी, देखिए कैसे वह चीजे जमा होगी और वे गर्जनाये। तब आप समझ पायेगे कि वह मनुष्य और वे लोग किस विषय पर स्वप्न देखते हैं, और वे सब बातें, वे घटित होगी; देखिए, तब आप देखेंगे उन्हें क्या प्रगट हुआ, वह महान गर्जन जो आ रही है आकाशो से—से आ रही है। अब, यह सच है कि आप लोगों का यह झुण्ड जानता है, मैं जानता हूं कि इसका क्या—इसका क्या अर्थ है, समझे आप। और परंतु हम थोड़ी प्रतीक्षा करें जब तक समय ना आए, देखिए, इसके ही लिए, अब, देखिए, और यह समय पर ही होगा।

150 अब, हम यहां थोड़े से इन—इन पदो को पढ़ने जा रहे हैं। अब यह सांझ का उजियाला आता है, हम देखते हैं कि यह वैसा ही उजियाला होगा जो कि प्रातः में था।

क्योंकि ऐसा नहीं है कि एक सूर्य प्रातः और दूसरा सूर्य दोपहर बाद का होगा। यह एक ही सूर्य है। वही सूर्य जो दोपहर बाद का है वही प्रातः का है; वही जो प्रातः में है वही दोपहर बाद है।

अब, यह कहा, "दिन स्वयं ही," उस समय के बीच का दिन, "कुछ इस तरह का होगा, ओह जैसे उचाट अंधियारा दिन। वह दिन या रात कुछ भी ना कहलायेगा, उसके बीच का होगा।"

151 देखिए, वही देह का बनना होगा, पांव की ओर से ऊपर की ओर। जब वह यहां पृथ्वी पर था, वह पुत्र था, एक उजियालापन तब वह मार दिया गया था। कलीसिया ने उसका स्थान ले लिया, तब अंधेरे युग में गुजरते हुए सत्य के लिए शहीद हुए, और नेव पर बनना आरंभ हो गए। तब दृष्टी कहां से आयी? सिर की चोटी से।

नबूकदनजर; के दर्शन को देखिए? उसे अन्यजाति के युग से नीचे जाते हुए देखिए इससे पहले कि उनके छुटकारे के लिए लहू बहाया जाता। वे स्वधर्म त्यागी थे जो अंदर आये। परंतु ध्यान दे वह नीचे, और नीचे, और नीचे तले की ओर चला गया, प्रतिरूप में, देखिए, वह नीचे आया।

तब उसने वापस चलना आरंभ किया, वापस आ रहा है, वह कलीसिया पांव की ओर से वापस आ रही है। अब वह सिर के समय में है—सिर का समय। अब उजियाले को देखे।

152 आप अपने हाथ से नहीं देख सकते यदपि वह आपके शरीर का अंग है। आप कान से नहीं देख सकते, जबकि वह सुन सकता है। आप नाक से नहीं देख सकते, जबकि वह सूंघती है। आप नहीं—आप होठों से नहीं देख सकते यदपि वह बोलते हैं; देखिए, वह पेंटीकोस्टल युग था। परंतु अब यह आंखों के समय में है, देखना। समझे? अब, आंख से ऊपर कोई और ज्ञान करने वाली इंद्री नहीं है। यह ठीक है ना?

इसके बाद बुद्धि, जो कि मसीह स्वयं है, जो कि सारी देह को नियंत्रण में रखता है।

इसके बाद हिलने चलने वाला कुछ नहीं। समझे? हर चीज हिल चुकी है। समझे? अपने पैर हिलाईये, अपनी मांसपेशियां अपने पैरों में हिलाईये, हर चीज हिलती है। अपने... आपके कान हिल सकते हैं, आपकी नाक, आपके होंठ, और वगैरा–वगैरा। परंतु आंखों के बाद फिर कुछ नहीं हिलता।

इसी कारण वे दावा करते हैं कि मनुष्य जल्दी गंजा हो जाता है, क्योंकि देखिए ऐसा कोई कसरत नहीं है जिससे कपाल कि मांसपेशियां बढ़ सके सर के बालों में—में। समझें? और यह गद्देदार भी नहीं है जिससे कि उनके

खून का दौरा पहुंचे। लहू वहां नहीं चढ़ता, देखिए, वह वहां नहीं चढ़ेगा, लहू पहुंचाने के लिए। यदपि बालो की जड़ लहू द्वारा जीवित रहती है।

और अब हम देखते हैं कि इस भाग को, आंख के बाद कुछ नहीं।

153 अब आइए हम देखें। "उजियाला होगा" (लगभग दिन के बीच में?) "सांझ के समय में!" उजियाला क्यों भेजा गया? ताकि आप देख सके कि आप कहां है... इसके आसपास कैसे रहे। ठीक है ना? देखिए आप कहां पर है। "लगभग सांझ के समय उजियाला होगा।"

154 अब, हम इसको लेकर मलाकी 4 से तुलना करेंगे। उसने यह प्रतिज्ञा की है कि सांझ के समय फिर से उजियाला होगा, देखा। "क्योंकि देखो मैं तुम्हारे पास एलिय्याह भविष्यवक्ता को भेजूंगा और वह उन—उन बालकों के ह्रदय कों पूर्वजों की ओर फेरेगा, और पूर्वजो का बालक की ओर, " (यह ठीक है ना? "कहीं ऐसा ना हो कि मैं आकर पृथ्वी को नाश करूं।"

155 अब आइए हम यहुन्ना को ले या... संत लूका 17:30, और देखें कि यीशु ने वहां क्या भविष्यवाणी की, "जैसा सादोम के दिनों में था, वैसा ही होगा... "

ध्यान दें, अब याद करें, यह उस समय पर था जब मनुष्य का पुत्र प्रगट होना था; मनुष्य के पुत्र का प्रगटीकरण। अब सही में मनुष्य का पुत्र एक शक्ति में प्रगट हुआ, वहां पर कुछ क्षणों के लिए, सादोम के भस्म होने के जरा पहले। अब वह व्यक्ति एलोहिम था। वह परमेश्वर था और यीशु परमेश्वर है। और परमेश्वर कुछ क्षणों पहले इब्राहीम से बात करने के लिए प्रगट हुआ, जांच पड़ताल के न्याय में। थोड़ी देर के लिए मनुष्य का पुत्र प्रगट हुआ था; वह मनुष्य का पुत्र, एलोहिम। कलीसिया, क्या आप देख पाते हैं? [सभा कहती हैं, "आमीन"—सम्पा।] मनुष्य का पुत्र, एलोहिम कुछ मिनटों के लिए प्रगट हुआ। क्योंकि अगली ही प्रातः वह जल गई थी (कब?) इससे पहले कि सूर्य फिर से निकले।

ताकि कोई भी संस्था ना बचे। ना ही, वहां कोई और उन्नति हो सके जो कि अब चल रही है, क्योंकि फिर से दिन निकलने के पहले वह जल जाएगी। राष्ट्र में बेदारी समाप्त हो चुकी है। अब कोई और बेदारी नहीं आयेगी, वह बड़ी छा जाने वाली बेदारी इस राष्ट्र को नहीं मिलेगी। बुद्धिमानो की संगति हो सकती है। परंतु मेरा अर्थ आत्मिक बेदारी से है, हम यह सब देख चुके हैं। मैं आशा करता हूं कि आप समझ रहे होंगे। मैं इसको कुछ इस तरह से

कह रहा हूं मैं आशा करता हूं कि—कि आप समझ गए होंगे। समझे? यह समाप्त हो गया है।

एक अच्छे सेवक ने कुछ समय पहले कहा कि, "भाई ब्रंहम, यदि मैं अपने ह्रदय में प्रभु को आनंद प्राप्त कर सकूं!"

मैंने कहा कि, "पुत्र भी बेदारी समाप्त हो गई है।" समझे?

156 अब जहाज स्थिर हो चुका है। बड़ी भयानक लहरें हमारे सामने हैं परंतु हम जानते हैं कि हम लहरों के पार किनारे के पास हैं। देखा? हम किनारे के पास हैं। केवल स्थिर रहिये। वचन में स्थिर रहिये। परमेश्वर के साथ स्थिर रहिये। कोई चिंता नहीं कि आपको कैसा लगता हैं, कुछ भी हो; वचन के साथ स्थिर रहिये। आओ—आओ—आओ इसे स्थिर रखे, जब आप ये बड़े बादल चारों ओर देखते है, और तूफ़ान आ रहे हैं, और परमाणु बम, और हर चीज जिसके विषय में वे बात कर रहे हैं। परंतु हमारा स्थिर करने वाला वचन में है। परमेश्वर ने कहा कि यह होगा; हम सब को कुचल देंगे। जी हाँ, हम उन सबके ऊपर चढ़ जाएंगे। जी हाँ, बिल्कुल! वे, वे हमें दबा नहीं सकते। वे हमें डुबा नहीं सकते। तुम हमें कब्र में दबा दो; हम फिर भी बाहर निकल आएंगे। अब केवल यही होना है। अब संसार में कोई और विधि नहीं है कि इसे नीचे रख सके। हम इन सबको कुचल देंगे, क्योंकि हमारा बड़ा कप्तान दूसरी ओर से पुकार रहा हैं।

हमने यीशु में लंगर डाले हैं, जीवन के तूफान में चढाई करूंगा;
मैंने यीशु में लंगर डाल दिया है, मुझे तूफान या लहर का कोई भय नहीं;

157 जो कुछ भी हो, होने दीजिये। जो भी हो, जो भी होगा, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता। हम यीशु के अंदर लंगर डाले हुए हैं। यदि मैं जीऊंगा, तो मैं परमेश्वर की महिमा के लिए जीऊंगा। यदि मैं मरुँ, तो परमेश्वर की महिमा के लिए मरुँ। मैं—मैं—मैं जैसा हूँ वैसा ही रहूँ... यह परमेश्वर की महिमा के लिए है, यही है जो मैं करना चाहता हूं। जब यह सब हो जाये, तब मैं यहाँ नहीं रहना चाहता हूँ। मैं वहीं जाना चाहता हूँ... जहाँ मेरे लिए ईनाम है जो उसने मेरे लिये ख़रीदा है; वह नहीं जो मैंने कमाया है, परन्तु जो उसने मेरे लिए ख़रीदा है, जिसने उसने मुझे अपने अनुग्रह से दिया है।

158 इसलिए हम देखते हैं सांझ का उजियाला यहाँ है। और यदि आपके पास देखने के लिए ऑखें ना हो, तो उस उजियाले से क्या होगा कैसे उसके पास आयेंगे? सांझ का उजियाला क्या है? उजियाला आता है, कि कुछ प्रकाशित करे। यह ठीक बात है न? यदि *यहां* पर कुछ है, आप महसूस करते हैं और समझ नहीं सकतें कि अन्धकार में क्या है, तो आप उजियाला करें। यह प्रकाशित करने के लिए है! मलाकी 4 को क्या करता है? देखा? वहीं काम करता है। सात मोहरों के खुलने से क्या मतलब है, जब कि ये सारे संगठन इस विषय में हिचकिचाते हैं... ? ... ये प्रकाशित, प्रकट करती है। यदि आपके पास आंख नहीं है, तो इसके प्रकाशित होने का क्या लाभ? पहले आँख होनी चाहिए देखने के लिए। यह ठीक है ना? मलाकी 4 के लिए, संत लूका 17:30, संत यूहन्ना 14:12, यूहन्ना 15:24, 16:13 भी प्रकाशित करने के लिए है। और प्रकाशितवाक्य 10:1 से 7 भी प्रकाशित करता है, सात मोहरों का खुलना, और सातवें दूत का संदेश का खोलने; प्रकाशित करने के लिए जब समझ का उजियाला आयेगा। अब यदि मनुष्य...

159 इस लौदीकिया युग के अंदर (क्या?) लोग "नंगे" है। क्या है वो? "अंधे।" उजियाला अंधे व्यक्ति के लिए क्या करेगा? यदि अंधा, अंधे को मार्ग दिखाएगा, तो क्या दोनों गड्ढे में ना गिरेंगे? "नंगे, अंधे, और नहीं जानते।" यहां तक कि उनकी मस्तिष्क की इन्द्रियाँ भी काम नहीं कर रही हैं, उनके मश्तिक्ष की, आत्मिक इन्द्रियाँ, आत्मिक समझ। देखा?

"अभिमानी, घमंडी, परमेश्वर से अधिक सुखविलास के चाहने वाले; धोखेबाज, झूठा दोष लगाने वाले, असंयमी, और भलो के बैरी, भक्ति का भेष तो धरेगे, परंतु उसकी शक्ति को ना मानेंगे।" वह प्रकाशन की सामर्थ में; विश्वास तक नहीं करते। देखा? वे भविष्यवक्ताओ जैसी बातों में विश्वास नहीं करते। और इसलिए वे उन बातों में विश्वास नहीं करते। वे विश्वास करते हैं कि—कि मलाकी चार एक विशेष कलीसिया है या विशेष संस्था है।

जब वह पहली बार आया तो वह मनुष्य था। जब वह दूसरी बार आया दुगनी सामर्थ के साथ आया, वह मनुष्य था। जब वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के रूप में आया, तो वह एक मनुष्य था। समझे?

अंतिम दिनों में जब सांझ का उजियाला चमकना आरंभ करेगा, तो आंखें खुल जाएगी और आप देखेंगे कि आप कहां जा रहे हैं। तब देह पहले ही पूरी बन चुकी है, अपने पैरों पर खड़ी है, पवित्र आत्मा द्वारा हिलते हुए गति प्राप्त कर रही है। क्या? वही चीज जो भविष्यवक्ताओं के ऊपर मंडराती थी जिसने बाईबल लिखी, वही पवित्र आत्मा देह में आ रही है, और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गई है, पवित्र आत्मा में चलती है, हर संस्था से हर संजातिय, भाषाओं और लोगों से बाहर है।

160 एक साधारण महिला यहां है, वह इस संस्था या उस संस्था से... इस संस्था से संबंध नहीं रखती। वह कहीं और से आई है, और वह आज प्रातः आई, वह एक चित्र लाई। उसने... मेरे पुत्र को दिया जो कि बहुत ही अचंभित हुआ था। मैं नहीं जानता कि उसने कभी इस विषय में सुना था या नहीं। मैं नहीं जानता। उसके पास प्रभु के सातवे दूत का चित्र था जो सात कलिसियायी कालों के समय था, सात मोहरों के खुलते समय वहां था, जब वह खुली। उसने कहा, स्वप्न में उसने पीछे मुड़कर देखा कि वह आकाश में खड़ी है। उसने पीछे मुड़कर वहां देखा और देखा कि कोई सफेद पोशाक में आगे बढ़ रहा है; और उसके पीछे उसने कहा ऐसा लगा... कि, "भाई ब्रन्हम, वह आप थे।" और कहा, "उस झुंड में," बताया, "आपके पीछे, बहुत रंग जाति के लोग थे झन्डो के साथ; जोर्जिया; अलाबामा और विभिन्न स्थानों से जो आगे बढ़ते हुए," ऊपर की ओर आ रहे थे जहां दर्शन में मसीह प्रकाशित किया जा रहा था। ओह, हाल्लेलुय्या!

161 हम अंतिम दिनों में है, और दिनों के अंतिम घंटों में है। क्या आप उसे उसके वचन में देख पाते हैं, और उसका सारा वचन यहां हमारे सामने प्रगट हुआ है? ओह, परमेश्वर की जीवित कलीसिया अपने पैरों पर खड़ी हो जा, और तेरे अंदर जो कुछ भी है पूरे से विश्वास कर। उस पहिये को पकड़ लो उसे बीच में से पकड़ लो, और आपका हर चलन कार्य जो आप करते हैं उसे स्थिर करने दो। प्रत्येक विचार जो आप में हैं, होने दे कि वह आपके अंदर की ऊंचाई के द्वारा नियंत्रित हो। क्योंकि, परमेश्वर अपने वचन में जो इस समय के लिए है उसमें है, इस सांझ के उजियाले में, जो उजियाला चमक रहा है।

162 चमगादड़ का अंधापन! आप उजियाला कर दीजिए और चमगादड़—चमगादड़ इतनी अंधी हो जाएगी कि उड़ ना सकेगी। बड़ा उल्लू, वे सब बात

सब रात के शिकारी और इस प्रकार की चीजें, जैसे पानी की छोटी मछली यह दिन में नहीं देख सकते। वह नहीं जानते कि यह सब क्या है। वह नहीं देख सकते।

और सांझ का उजियाला आ चुका है। हर दृष्टांत जहां कहीं हम बाईबल की प्रकृति में हम जाते हैं उस—उस मूरत को–... जो दानियेल ने देखी, और—और समय के राजा और हर एक ने देखी और वे सब बातें, प्रत्येक, हर प्रकार से, हर गति, देह का हर स्थान, निर्धारित अवस्था हमें यह दर्शाता है कि हम किस समय में रह रहे हैं। इससे हटकर और कोई प्रस्ताव नहीं आ सकता।

हाथ का एक चलन था; प्रेम, वैसली। नेव का एक आंदोलन था; लूथर। प्रेम, इससे बढ़कर कभी नहीं हुआ यह वैसली आन्दोलन कहलाया। उन्होंने सारे संसार में मिशनरी भेजें। एक महान आंदोलन अपने युग से पहले किया गया।

तब पेंटीकोस्टल युग आया; वह भिन्न–भिन्न उंगलियों और बातों में आया, जुबान का और नाक और वगैरा–वगैरा का पेंटीकोस्टल युग।

अब यह आंखो के युग में है। कितना अच्छा है कि आपको आंखों की आवश्यकता हो या उजियाले की आवश्यकता यदि उजियाले को देखने के लिए आंख ही ना हो? देखने के लिए पहले आँख होनी चाहिए। और जब वह आ जाती है, तब उसने सात मोहरे खोली और सांझ का उजियाला प्रकट किया, तब उसने सारे भेदो को जो सारी कलीसियायी युग से गुप्त थे, अब खोल दिया है जैसा कि उसने प्रकाशितवाक्य 10;1–7 में प्रतिज्ञा की है। आज हम यहां वचन के बीच में स्थित है, और वचन हम पर यीशु मसीह के द्वारा प्रकट किया जा रहा है। तो फिर, *यह* परमेश्वर का वचन है।

163 और उसकी प्रजा होने के नाते हमें उसके और पास इसे समझने के लिए जो कि लेखक है जाना चाहिए, ताकि यह प्रकट हो। "ओ प्रभु, तेरे पास मेरे करने के लिए क्या है? यदि मुझे बाहर जाकर सुसमाचार प्रचार करना चाहिए, या मैं घर पर बैठू? यह क्या है इससे कोई मतलब नहीं, यदि मुझे एक अच्छी पत्नी होना चाहिए, यदि मुझे एक अच्छी मां होना चाहिए, यदि मुझे *यह, वह* या *कुछ* करना चाहिए? जो भी हो, यदि मुझे एक किसान होना चाहिए, यदि मैं... प्रभु चाहे जो भी हो, आपके पास मेरे करने के लिए जो भी होगा? "

164 क्या शाऊल नहीं चिल्लाया था कि, "प्रभु, मेरे करने के लिए क्या है? " वह अपने मार्ग पर आगे... बढ़ रहा था ताकि—ताकि सारी कलिसियाओ को कैद कर दे। परंतु तब वह चिल्ला उठा, "तेरे पास मेरे करने के लिए क्या है? " जब वह रोशनी चमक उठी एक आग के खंबे कि तरह जो उसके ऊपर था। "तू मुझसे क्या कराना चाहता है? "

165 मैं सोचिए इसे समाप्त करते हुए यह एक अच्छा वचन है, और कहिए, "प्रभु आपके पास मेरे करने के लिये क्या है? जब मैं इस वचन को इस समय सिद्धता से प्रकट होते हुए देख रहा हूं; तो प्रभु मेरे करने के लिए आपके पास क्या है? "

आईये हम अपने सिरों को झुकाये।

166 मैं यहां सब से कहता हूं कि अपने ह्रदय को जांचे और यह प्रश्न करें, "प्रभु आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? " और आप लोग जो राष्ट्र में टेलीफोन पद्धति से सुन रहे हैं आप अपने सिरों को झुकाये और पूछे, "प्रभु, आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? हम देख रहे हैं कि हम अंतिम दिनों में हैं और अंतिम घड़ियों में, यह बिल्कुल ठीक हमारे सामने है और साधारणता में प्रकट हुआ, आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? "

167 प्रिय परमेश्वर, जबकि यह लोग यह प्रश्न पूछ रहे है; मैं स्वयं भी आपसे पूछता हूं, प्रभु, आप मुझ से आप क्या करवाना चाहते हैं, जैसा कि मैं महसूस करता हूं कि हर दिन इसके लिए गिना जाना चाहिए। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मेरी सहायता करेंगे, प्रभु, कि मैं हर दिन को आपके सम्मान और महिमा के लिए जीऊं।

मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हम में से प्रत्येक की सहायता करेंगे जो इस राष्ट्र में है, और उनकी भी जो यहां आराधनालय में उपस्थित है जबकि हम अपने ह्रदय को जाचते हुए कहते है, "प्रभु आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? मैं क्या कर सकता हूं, प्रभु कि आपके राज्य और पक्ष को आगे बढ़ाऊं? " परमेश्वर, इसे ग्रहण कीजिए।

हमारे ह्रदयो को जांचिये और परखिए। यदि हम में कोई अपराध पाया जाता है, प्रभु, कोई स्वार्थ पाया जाता है, कोई खराब उद्देश्य या मनसा पाई जाती है, तो ओह परमेश्वर हमें अपने पुत्र यीशु मसीह के लहू से शुद्ध कर दे, जिसकी मृत्यु और जी उठने को हम नम्रता पूर्वक ग्रहण करते और मानते हैं। और विश्वास करने के द्वारा हम न्यायोचित ठहराते हैं कि उसने

यह किया है हम प्रसन्नतापूर्वक उसके उद्धार की योजना को ग्रहण करते हैं जो कि आपने हमें दी है।

पिता हम आज के दिन के सन्देश के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, जिसका हम विश्वास करते और जिस पर हम स्थिर है, जिसको हम जानते और विश्वास करते हैं कि यह आपका वचन और आपका संदेश है। दूसरे लोगों से भिन्न होने के लिए नहीं, परंतु इसका प्रयत्न करते हुए कि यीशु मसीह कि तरह होते चले जाए जो कि हमारा आदर्श है।

168 प्रिय परमेश्वर, यहां बहुत सारे रुमाल रखे हुए हैं और यहां चारों ओर बीमार लोग हैं। और प्रभु मैं स्वयं आज प्रातः थक कर ऊबा हुआ हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी सहायता करेंगे, प्रिय परमेश्वर। हम आपके और सामर्थ के लिए देखते हैं। आप हमारी सामर्थ है। आपने बहुतो की सहायता की, प्यारे परमेश्वर।

169 उस दिन जंगल के जंगल के बारे में सोचता हूं, जब भाई बैक वुड के साथ जा रहे थे, जब डॉक्टरों ने... उनके ह्रदय कि दशा इतनी खराब थी कि वे बड़ी मुश्किल से चल पा रहे थे। तब सोच कर कि कैसे मैं... थोड़ा, मैं जानता था कि उस दर्शन के बाद पहाड़ों पर चलते हुए, "मुझे एक सिंह मिलना चाहिए। और मुझे उस सिंह को मरा हुआ देखना चाहिए।"

और तब वहां से उतरते हुए, और ट्यूसान के फर केफेटेरिया में खड़े हुए, उनके कपड़ों ढीले ढाले लटक रहे थे, उनकी आंखें झुकी हुई थी। मैंने कहा, "परमेश्वर, यदि आप दर्शन में यह दिखा सकते हैं कि सिंह कहा है, तो सच में, आप भाई वुड के विषय में भी दिखा सकते है।"

और तब यह आता है, "अपने हाथ उनके ऊपर रखो।"

और आज वह यहां है हमारा भाई बैक फिर से मजबूत हो गया, और उन पहाड़ों पर ऊपर नीचे भाग रहा है। प्रिय परमेश्वर, हम तेरे कैसे धन्यवाद करें। आप हम सब के लिए वही परमेश्वर है, जैसे आप भाई वुड के लिए थे। मैं जानता हूं कि आप उनसे प्रेम करते हैं क्योंकि वे आपके सच्चे और निष्कपट सेवक है।

170 और प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हम में से हर एक के साथ व्यवहार करेंगे, और हमारे पापों को क्षमा करेंगे, और हमारी शारीरिक बीमारियों को चंगा करेंगे। प्रभु हमें प्रतिदिन अपने सामान बनाते जाए, जब तक हम यीशु मसीह के कद में पूरे ना हो जाए। प्रभु, इसे ग्रहण करें।

मैं विश्वास करता हूं कि आपने हम में से हर एक के हृदय को जांचा है हम जानते हैं कि क्या करना है। अब हम आपसे आशीष मांगते हैं, यीशु के नाम में।

171 और जब हमारे सिर झुके हुए हैं, तो क्या कोई यहां पर जो उपस्थित हो, या टेलीफोन पर राष्ट्र में—में कहीं भी जो यह चाहता हो, जबकी आप प्रार्थना कर रहे हैं और आपके सर झुके हैं इस समय अपना हाथ परमेश्वर की ओर उठाये। आप केवल यही कर सकते है; आज प्रातः यहां पर बहुत भीड़ है। सिर्फ अपना हाथ परमेश्वर की ओर उठा कर, कहे, "परमेश्वर मुझे और यीशु के समान बना दे। मैं—मैं चाहता हूं कि मैं और यीशु के समान हो जाऊं।" परमेश्वर आपको आशीष दे। यहां से बाहर पूरे राष्ट्र में हर तरफ हाथ उठे हैं, एक ठोस समूह। मेरा भी हाथ उठा हुआ है। "मैं भी यीशु के समान बनना चाहता हूं। प्रभु, मुझे जांचे और यदि कोई बुराई मिलती है तो उसे निकाल दे। मैं—मैं चाहता हूं... " क्या? हम यहां पर इतने लंबे समय से किस लिए है, तब भी हम यहां से जाने वाले हैं चाहे आप... इसे कोई मतलब नहीं आप क्या है, आप कितने धनवान, कितने निर्धन है, कितने जवान, कितने बूढ़े हैं।

172 कल मैं वहां पहाड़ पर निर्धन एक—एक लोगों के झुंड के पास... उस गड्ढे पर खड़ा था। वहां एक छोटा परिवार था, मैं एक व्यक्ति से परमेश्वर के विषय में बहुत देर से बातें करता रहा। उसकी प्रिय पत्नी सात या आठ बच्चों उसके साथ आई; वह स्वयं दुबला, लंबा व्यक्ति था, और दो डॉलर प्रति दिन पर कार्य की कोशिश करता था। और एक व्यक्ति ने उसे एक छोटी सी झोपड़ी रहने के लिए दे दी थी। और उसकी पत्नी अब एक और बालक को जन्म देने पर थी, और उसके पास चौड़े फाल की कुल्हाड़ी थी वह लकड़ी काटकर नीचे की ओर खींच रही थी; एक कुल्हे पर बच्चा था दूसरी ओर से; डाली खींच रही थी कि उसे काटे और गुसबरी बर्तन में जमा कर रही थी, कि शरद ऋतु में भूख से बच सके। ओह, हमें उसके लिए कितना दु:ख लगा! भाई वुड और मैंने एक ट्रक लिया और उसके लिए बहुत सी लकड़ी काट कर ले आए। वह स्त्री वहां खड़ी हुई बहुत आभार मान रही थी। मुझे उसके लिए दु:ख लगा। और हम उनके लिए प्रार्थना करते रहे।

173 और उसके छोटे बच्चे को मिर्गी आती थी। हमने जाकर छोटे बच्चे के

लिए प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे चंगा कर दिया। और एक दिन उसके पति को हर्निया हो गया, और वह गया...

मैं उससे बातें कर रहा था। वह सिगरेट पी रहा था, वे दोनों। वह तंबाकू का प्रयोग करती थी, और वह भी वे साधारण पहाड़ी लोग थे। और तब मैं इस विषय में उनसे बातें करता रहा। और कल प्रातः जब मैं दिन निकलते ही मैं वहां गया और वह सामने से अपने हाथ समेटे आ रहा था, और उसने कहा, "भाई बिली, मैं अब एक बदला हुआ मनुष्य हूं।" उसने कहा, "मैंने अपनी अंतिम सिगरेट पी ली, और अब मैं प्रभु की ओर हूं।"

वह कहने, "लगी मैंने भी अपनी अंतिम सिगरेट पी ली।"

ओह, बीज बोओं! "मैं प्रभु जिसने सीचा है। मैं उसे दिन–रात सिंचूंगा कि कोई उसे मेरे हाथों से ना ले सकेगा।"

174 ओह परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, अब दया कर और हमारे ह्रदय की इच्छा को पूरा कर, क्योंकि ह्रदय से आपकी सेवा करना चाहते हैं। अब, हे पिता, सब तरह ये आपके हाथों में है। यह आपके बालक है। और अपने अनुग्रह के अनुसार इनसे व्यवहार कर प्रभु; न्याय से नही, परंतु अनुग्रह से। यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

175 आप उससे प्रेम करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अपने पूरे ह्रदय से! अब, जिनके रुमाल थे वे इन्हें ले सकते हैं।

और अब हमारी सभाये, मैं सोचता हूं सात से थोड़ा पहले आरंभ होगी, या एसे ही कुछ होगी। भाई नेविल घोषणा कर देंगे, अभी थोड़ी देर में उनके आरंभ होने के बारे में।

और मेरे विचार से आज प्रातः कोई बपतिस्मा है? [भाई नेविल कहते हैं, "पानी तैयार है।"—सम्पा।] पानी तैयार है, यदि यहां कोई ऐसा हो जिसका बपतिस्मा अभी तक हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में ना हुआ हो, क्यों, यह निश्चित है... बपतिस्मे के लिए पानी तैयार है

176 हम सब सेवक भाइयों की सराहना करते हैं। भाइयों, मैं देखता हूं... कि किस प्रकार आपकी सेवाएं ठीक चली, भाई परनेल? और भाई मार्टिन, और ओह उनमें से बहुत से यहां पर उपस्थित है, भाई ली वेयल। ओह, यहां तो सारी जगह में बहुत से सेवक है। निश्चय ही हम आपके यहां आने के लिए सराहना करते हैं, सारे संसार में आप हमारे साथ संगति करते रहे।

177 हो सकता है कि आप मेरे साथ इस पर बिल्कुल पूरी तौर से सहमत ना हो; मैं आपसे नहीं कहता कि आप सहमत हो। केवल एक बात कि आप इस पर विचार करें। आपने जो मुझे बताया है, मैं विचार करता हूं। यदि सेवकगण टेप ले और कहे कि, "भाई, मैं इस पर सहमत नहीं हूं।" तो मेरे भाई, यह ठीक है। आप कुछ भेड़ों के चरवाह होंगे; आप—आप जैसा चाहे उन्हें खाना खिलाये।

मैं अपने से पूरा यत्न करता हूं कि वचन के साथ बना रहूं, वह जो परमेश्वर के लिए मेरे हाथों में सोपे गए हैं, क्योंकि भेड़, भेड़ का खाना चाहती है, यह बिल्कुल ठीक है। "मेरी भेड़ मेरा शब्द सुनती है।" और जिसके द्वारा हम जीवित रहते हैं, हर वचन जो निकलता है... सारा नहीं... केवल अब एक शब्द नहीं और तब; परंतु हर वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, यही है जिसके द्वारा संत को जीना है।

आईये जब हम अपने सिरों को जब झुकाये हुए है। अपने पैरों पर खड़े हो जाये...

और भाई नेविल, क्या आप इन से कुछ कहना चाहते हैं? [भाई नेविल कहते है, "नही।"—सम्पा।] भाई मान? ठीक है।

हर कोई अच्छा महसूस कर रहा है? कहिये, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ठीक है।

अब आइए अपने सिरों को झुकाये।

मैं भाई ली वेयल से कहना चाहता हूँ, कि यदि वह यहाँ आकर, या वे आ सकते हैं। यदि आप वही आ जाये, भाई वेयल, यदि आप आ सकते हैं।

भाई वेयल यहाँ है, जो किताबे लिखते है। अब उन्होंने *सात कलीसिया कालो* की पुस्तक तैयार कर ली है, और *सात मोहरों* की पुस्तक पर कार्य कर रहे है। और हम आशा कर रहे है कि जल्द ही वे आ जाएगी। ठीक है। भाई ली वेयल।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह अपने स्वयं के वचन में प्रकट हुआ HIN65-0822M

(Christ Is Revealed In His Own Word)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 22 अगस्त, 1965 को, ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org